छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26
वर्ष - 17 ■ अंक - 178 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 09 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये
WWW.cgfrontline.com

घायलों की 'गोल्डन ऑवर' में जान बचाने वालों को 'राह-वीर' योजनांतर्गत मिला 25 हजार प्रोत्साहन राशि

सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद करने से डरें नहीं, नजदीकी अस्पताल पहुंचाने में सहयोग करें-आईजी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारत सरकार द्वारा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की पहल 'राह-वीर योजना' सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को दुर्घटना के बाद के महत्वपूर्ण समय, 'गोल्डन ऑवर' में तत्काल अस्पताल या ट्रामा सेंटर पहुंचाने की है। ऐसे गुड सेमेरिटन नागरिक को 'राह-वीर' योजनांतर्गत 25 हजार रुपये देने का प्रावधान है। रेंज स्तर पर सार्थक प्रयास करने वाले ऐसे व्यक्तियों 'राह-वीर योजना' के तहत नगद ईनाम व प्रशस्ति पत्र से नवाजा जा रहा है।

हाल ही में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम ने जिला कोरिया में भ्रमण दौरान सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित उपचार हेतु समय पर अस्पताल पहुंचाने और गुड सेमेरिटन का मिशाल पेश करने पर दोनों व्यक्तियों के नेक कार्य की सराहना की, साथ ही सड़क सुरक्षा मितान अंतर्गत कुल 70 लोगों को फस्ट एड किट बैग का वितरण किया। इसी प्रकार जिला जशपुर के प्रियांश भगत एवं श्रवण कुमार ने अलग-अलग सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को समय पर तत्काल उपचार हेतु अस्पताल व ट्रामा सेंटर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जिस पर जशपुर पुलिस द्वारा राहवीर योजना अतंर्गत दोनों को 25-25 हजार प्रोत्साहन राशि व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार एक्सीडेन्ट में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की प्रताप दास जिला सरगुजा व जिला एमसीबी से विनोद साहू, मोहम्मद जाकिर व शाहनवाज के द्वारा 'गोल्डन ऑवर' में मदद व सराहनीय कार्य करने में अहम भूमिका निभाने पर जिले के पुलिस अधीक्षकों द्वारा पत्राचार करते हुये राहवीर योजना का प्रोत्साहन राशि प्रदान कराया गया है। इसके अतिरिक्त रेंज के जिला इकाईयों में अलग-अलग सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को 'गोल्डन ऑवर' में अस्पताल व ट्रामा सेंटर पहुंचाने में मदद करने वाले व्यक्तियों की राह-वीर योजनांतर्गत प्रतिवेदन तैयार कर प्रोत्साहन राशि हेतु पत्राचार किया गया है।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने राह-वीर योजना के बारे में आम जनता से अपील करते हुये कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं में समय पर इलाज नहीं मिलने से होने वाली मौतों को रोकने में आम जनता अहम भूमिका निभा सकते हैं। बिना किसी डर के दुर्घटना में घायल व्यक्ति का तत्काल 'गोल्डन ऑवर' में अस्पताल व ट्रामा सेंटर पहुंचाने में मदद करें, जिससे घायल की जान बचे। ऐसे नेक कार्य व मानवीय संवेदनशीलता के साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने वाले गुड सेमेरिटन नागरिकों को 'राह-वीर योजना' के तहत भविष्य में सम्मानित व पुरस्कृत किया जायेगा।

प्रसव के लिये नहीं ले गये अस्पताल, मौत के बाद पंचनामा बनाने भागते पहुंचे अधिकारी

मझवार परिवार की गर्भवती महिला और बच्चे की घर में कराये गये प्रसव के बाद मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लखनपुर विकासखंड के ग्राम सकरिया में जानकारी और जागरूकता के अभाव में एक विशेष संरक्षित मझवार जनजाति की 8 माह की गर्भवती महिला और उसके नवजात बच्चे की मौत का मामला सामने आया है। मामला 6 जुलाई का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम सकरिया निवासी सुखनी मझवार 26 वर्ष, पति दिनेश मझवार तमिलनाडु में मजदूरी करके परिवार के साथ रहती थी। 14 जून को गर्भवती महिला का प्रसव कराने के लिए वापस गृहग्राम सरगुजा जिले के सकरिया आये थे। आठ माह की गर्भवती महिला की जांच 21 जून को स्वास्थ्य केंद्र कुन्नी में हुई। यहां डॉक्टरों ने महिला में खून की कमी होना बताया, उसका हीमोग्लोबिन 6.6 ग्राम था। वहीं जांच में ब्लड प्रेशर 154/113 पाया गया, जो बहुत ज्यादा था। पंचनामा के अनुसार, डॉक्टर ने खून की मात्रा बढ़ाने के लिए आयरन शुक्रोज लगाने के लिए उसे स्वास्थ्य केंद्र बुलाया था और तुरंत मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर ले जाने का उल्लेख पर्ची में किया था। मितानीन और स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने भी इनके घर जाकर प्रसूता को अस्पताल ले जाने के लिये स्वजन को कहा, लेकिन महिला और उसके घर वाले अस्पताल जाने के लिये तैयार नहीं हुये। इनका कहना था कि, घर में ही डिलीवरी करा लेंगे। 6 जुलाई की प्रसव पीड़ा बढ़ने पर सुबह करीब 9.30 बजे घर पर ही सुईन दाई से इन्होंने प्रसव कराया। इस बीच भारी बारिश हो रही थी, जल्दबाजी के कारण प्रसूता को अस्पताल नहीं ले जाया जा सका। प्रसव के दौरान मां और बच्चा दोनों की मौत हो गई। इसका पंचनामा रिपोर्ट 7 जुलाई को मृतिका के पति दिनेश मझवार और परिवार के अन्य सदस्यों व ग्रामीणों की उपस्थिति में तैयार किया गया, जिसमें इसका उल्लेख किया गया है।

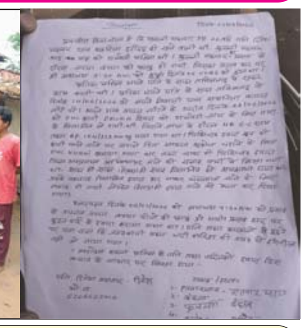

प्रसूता और बच्चे की मौत के बाद उठे सवाल

जच्चा-बच्चा की मौत का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की भूमिका सवालों के घेरे में है। गर्भवती महिला में ब्लडप्रेशर और खून दोनों खतरनाक स्तर पर होने की स्थिति में उन्हें तत्काल भर्ती करके रेफर नहीं किया गया, सिर्फ पर्ची लिखकर छोड़ दिया गया। रिफर करने की स्थिति में प्रसूता को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल भेजा जा सकता था। पंचनामा में हितग्राही और मितानीन को समझाइश देने का लेख है, इधर घर वालों का कहना है कि उन्हें मितानीन के आने-जाने की कोई जानकारी नहीं है, फिर निगरानी किसने की? पंचनामा कार्रवाई के लिए बीएमओ और स्वास्थ्य विभाग की टीम जितनी तेजी से घर पहुंची, उतनी ही तेजी से गर्भवती को अस्पताल पहुंचाया गया होता तो सुरक्षित संस्थागत प्रसव का लाभ उसे मिल सकता था।

घर में दम तोड़ देना जांच का विषय

घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग के मौके पर पहुंचे अधिकारी ने पंचनामा कार्रवाई करके अपने कार्यों की इतिश्री कर ली है। सरकार सुरक्षित प्रसव के लिये करोड़ों खर्च कर रही है, मितानिनें गांव-गांव में सक्रिय रहती हैं, जो गर्भवती, शिशुवती माताओं के संपर्क में रहती हैं, और समय पर उन्हें इलाज समुचित आहार और जांच की सुविधा मिले इसका ध्यान रखती हैं। महतारी एंबुलेंस की नि:शुल्क सुविधा गर्भवती माताओं को अस्पताल तक लाने और प्रसव के बाद घर तक पहुंचाने के लिये दी गई है। इधर पीवीजीटी परिवार की गर्भवती महिला जागरूकता या जानकारी के अभाव में घर में प्रसव के दौरान दम तोड़ देना जांच का विषय है।

मजदूर के घर से 30 हजार का चांदी का जेवरात चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र में सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने जेवरात और कपड़ा चोरी कर लिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, केंदी टोप्पो ग्राम अजिरमा में स्थित कृषि महाविद्यालय में मजदूरी करती है। 6 जुलाई को सुबह करीब 8 बजे उसे पति प्रेमू टोप्पो मोटरसायकल से कार्यस्थल कृषि महाविद्यालय छोड़ने गया था। यहां से आधे घंटे बाद वापस करीब 8.30 बजे घर आये तो घर का ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर घुसे तो समान बिखरा हुआ था। कमरे में रखे अलमारी का लॉकर तोड़कर चोर ने चांदी के जेवरातों में 02 जोड़ा बिछिया, 01 छुछिया, 01 चांदी का चेन, 01 जोड़ी बॉली व महिलाओं से संबंधित कपड़े पार कर दिया था, जिसकी कीमती लगभग 30 हजार रुपये बताई जा रही है। इसकी सूचना प्रेमू टोप्पो ने अपनी पत्नी को दी। रिपोर्ट पर पुलिस अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

देर रात तक फोन लगाते सो गई पत्नी, सुबह एक्सीडेंट में पति के मौत की मिली खबर

लुचकी घाट में यात्री बस की चपेट में आये बाइक सवार मोहर्रिर की मौत से स्वजन सदमे में

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस लाइन अंबिकापुर में पदस्थ बाइक सवार प्रधान आरक्षक को अंबिकापुर-रायगढ़ नेशनल हाइवे में लुचकी घाट के पास मंगलवार की रात को यात्री बस ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बस को जब्त करके चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। प्रधान आरक्षक के शव का पोस्टमार्टम बुधवार को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में हुआ। शव को स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है। घटना से पुलिस विभाग और संबंधियों में शोक का माहौल है।

जानकारी के मुताबिक, सरगुजा जिले के बतौली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोदा मानापारा का श्रीराम लकड़ा पिता धनसाय लकड़ा 53 वर्ष, अंबिकापुर के गांधीनगर थाना परिसर से लगे पुलिस कॉलोनी में परिवार के सदस्यों के साथ निवास करता था। वर्तमान में उसकी पदस्थापना पुलिस लाइन में थी। मंगलवार की सुबह करीब 9.30 बजे वह घर से निकलते वक्त अपनी पत्नी को ड्यूटी में पुलिस लाइन जाने की बात कहकर निकला था, इसके बाद घर नहीं लौटा। देर शाम तक घर नहीं आने से चिंतित पत्नी ने पत्नी ने देर रात 11 बजे तक फोन लगाकर अपने पति का हाल-खबर लेने का प्रयास किया, लेकिन वह फोन रिसीव नहीं किया।

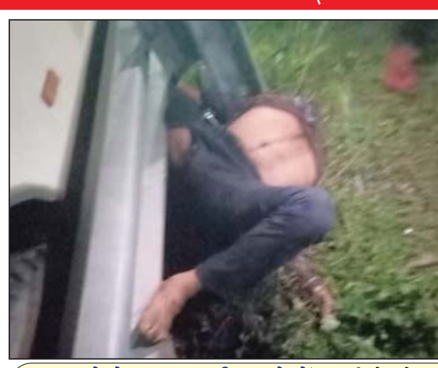

शव को देखकर पत्नी सदमे में-पत्नी ने सोचा कि किसी काम में फंसे होंगे, इस वजह से लेट हो रहा होगा। ऐसे में वह ज्यादा ध्यान नहीं दी और सो गई। बुधवार की सुबह पड़ोस में रहने वाले पुलिस परिवार के माध्यम से बस से पति का एक्सीडेंट होने और मौत की सूचना मिली। आसपास के लोगों की मदद से वह बदहवास मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल पहुंची, तो उसके पति का शव मर्च्युरी में रखा है। पति के शव को देखकर वह सदमे में आ गई।

गृहग्राम से वापसी की संभावना-पुलिस लाइन में पदस्थ बाइक सवार प्रधान आरक्षक श्रीराम लकड़ा शहर से लगे लुचकी घाट में तेज रफ्तार राजधानी बस क्रमांक सीजी 15 ए- 5316 की चपेट में आया था, और उसकी मौत हो गई थी। घटना मंगलवार रात करीब 9 बजे की है। अपने कार्यस्थल पुलिस लाइन से वह लुचकी घाट की ओर क्यों गया था, इसका पता नहीं चल पाया है। संभावना है कि, खेती-किसानी के मौसम को देखते हुये वह अपने गृहग्राम बोदा गया होगा, वापस अंबिकापुर लौटते समय बस हादसे का शिकार हो गया।

नर्सिंग होम एक्ट के मानकों का पालन नहीं करने पर अनुज्ञप्ति एवं पंजीयन स्थगित करने की होगी अनुशंसा

फायर सेफ्टी, बायोमेडिकल वेस्ट एवं चिकित्सकों के पंजीयन सहित सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण करने के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में संचालित निजी स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्ता, सुरक्षा एवं नियमानुसार स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सरगुजा द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत जिले के समस्त निजी नर्सिंग होम, पैथोलॉजी लैब, डायग्नोस्टिक सेंटर, लैब एवं कलेक्शन सेंटर के संचालकों को नर्सिंग होम एक्ट-2010 के प्रावधानों के अनुरूप सभी आवश्यक दस्तावेज एवं प्रमाण-पत्र शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों में नर्सिंग होम एक्ट-2010 के निर्धारित मानकों का पालन अनिवार्य होगा। संस्थानों में एक्स-रे बॉक्स, इमरजेंसी किट, अग्नि सुरक्षा (फायर सेफ्टी) प्रमाण-पत्र, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन संबंधी प्रमाण-पत्र तथा संबंधित चिकित्सकों का छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल में वैध पंजीयन अनिवार्य रूप से उपलब्ध होना चाहिए। निर्देशों में कहा गया है कि मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक संस्थान में स्वच्छ एवं उपयोगी शौचालय, परिसर में नियमित साफ-सफाई तथा पर्याप्त वाहन पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही सूचना पटल पर कार्यरत चिकित्सकों के नाम, शैक्षणिक योग्यता, पंजीयन संबंधी जानकारी, उपलब्ध रहने का समय तथा संस्थान में उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए। जिन निजी स्वास्थ्य संस्थानों के दस्तावेज अथवा आवश्यक प्रमाण-पत्र अभी अपूर्ण हैं, वे उन्हें शीघ्र पूर्ण कर संबंधित अभिलेख कार्यालय में प्रस्तुत करने कहा गया है ताकि अनुज्ञप्ति एवं पंजीयन संबंधी प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया है कि विभागीय निरीक्षण दौरान निर्धारित मानकों का उल्लंघन अथवा आवश्यक दस्तावेजों में कमी पाए जाने पर नर्सिंग होम एक्ट-2010 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित संस्थान की अनुज्ञप्ति एवं पंजीयन स्थगित किए जाने की अनुशंसा भी की जा सकती है।

निजी स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण करने समिति गठित

जिले में संचालित नर्सिंग होम, अस्पताल, क्लिनिक, पैथोलैब के सतत निरीक्षण एवं समय-समय पर विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों की जांच, आवश्यक कार्रवाई हेतु नर्सिंग होम एक्ट 2010 के तहत निजी स्वास्थ्य संस्थाओं मानकों, मापदण्डों के तहत जांच करने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा समिति का गठन किया गया है। इसमें नोडल अधिकारी नर्सिंग होम एक्ट डॉ. पी.के सिन्हा, जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. बी.सी. पैकरा, नोडल अधिकारी पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट डॉ. स्मिता परतवार, स्त्री रोग विशेषज्ञ शहरी स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा अंबिकापुर डॉ. सृष्टि पाण्डेय, आयुर्वेद अधिकारी डॉ. संतोष सिंह, नगर पालिक निगम के राजस्व निरीक्षक शिवेन्द्र कुमार बहादुर एवं शाखा प्रभारी नर्सिंग होम एक्ट संजय पाण्डेय समिति के सदस्य होंगे। समिति समय-समय पर निजी संस्थाओं का निरीक्षण कर प्रतिवेदन टीप, अनुशंसा सहित प्रस्तुत करेंगे।

साहिल को इंजेक्शन सप्लाई करने वाला नितेश भी गिरफ्तार, 24 घंटे के बीच दूसरा खुलासा

'ऑपरेशन क्लीन' के तहत 78 नशीले इंजेक्शन बरामद, एक आरोपी फरार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संभागीय आबकारी उड़नदस्ता सरगुजा की 'ऑपरेशन क्लीन' लगातार रंग ला रही है। 7 जुलाई को 20 नशीला इंजेक्शन के साथ पकड़े गए साहिल तिर्की को माल सप्लाई करने वाले सप्लायर को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी मूलत: ग्राम अलका, थाना चलगली, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज का रहने वाला है, इसका चचेरा भाई अभी फरार है, जिसकी पतासाजी उड़नदस्ता टीम कर रही है।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि 7 जुलाई को श्याम लाज, गंगापुर अंबिकापुर से साहिल तिर्की को 20 नग नशीला इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था। पूछताछ में साहिल ने बताया कि उसने ये इंजेक्शन थाना गांधीनगर के सुभाष नगर, महामाया गर्ल्स हॉस्टल वाली गली में किराये के मकान में रहने वाले नितेश और सौरभ गुप्ता से खरीदे थे, दोनों भाई बलरामपुर जिला के चलगली के रहने वाले हैं।

छापे में 78 इंजेक्शन बरामद

साहिल के बयान के आधार पर शाम को ही उड़नदस्ता टीम ने सुभाष नगर के किराए के मकान में दबिश दी। वहां नितेश गुप्ता मिला, जो एक बैग लेकर कहीं निकलने वाला था। बैग की तलाशी लेने पर 39 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन और 39 नग एविल इंजेक्शन, कुल 78 नग नशीला इंजेक्शन मिला, जिसे टीम ने बरामद कर लिया। आरोपी नितेश गुप्ता को एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 सी एवं 29 के तहत गिरफ्तार किया गया। इसे आज 8 जुलाई को विशेष न्यायालय अंबिकापुर में पेश करके न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

ऑपरेशन क्लीन की बड़ी सफलता

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि नितेश गुप्ता उन सप्लायरों में से एक था, जो सरगुजा जिले में अभी बचे हुए थे। उसकी गिरफ्तारी ऑपरेशन क्लीन के तहत बड़ी सफलता है। फरार सौरभ गुप्ता की तलाश के लिए टीम लगातार दबिश दे रही है। इस कार्रवाई में उनके साथ प्रधान आरक्षक अशोक सोनी, नगर सैनिक गणेश पांडेय, रणविजय सिंह और रोहित सोनवानी' की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि, नशे के सौदागरों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। नशे के कारोबार में लगे लोगों की गुप्त सूचना कोई भी दे सकता है, ताकि ऐसे लोगों के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा सके।

चलती ट्रक से बाइक सवारों ने तिरपाल पार किया

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। ट्रक में लगे तिरपाल को मोटरसायकल सवारों ने पार कर दिया। ट्रक वाहन के चालक फिरोज खान ने पुलिस को बताया है कि 4 जुलाई को सुबह ट्रक क्रमांक सीजी 15 डीएच 6832 को लेकर अमेरा खदान में कोयला लोड करवाने के लिये आया था। कोयला लोड करने के बाद रात करीब 11.30 बजे ट्रक में कोयला लेकर जा रहा था। ट्रक में कोयला के उपर वाटरप्रुफ तिरपाल लगा था। रास्ते में सड़क के किनारे ग्राम पुहपुटरा के खैरा, राहुल, खोलु और बाडुल मोटरसायकल में बैठे थे। कुछ दूर आगे जाने के बाद वह साइड मिरर से देखा कि चारों लड़के मोटरसायकल से ट्रक के पीछे आ रहे हैं। कुछ दूर आगे बढ़ने के बाद ट्रक के पीछे तरफ से कुछ आवाज आया और वह ट्रक रोका तो तिरपाल कोयले के ऊपर नहीं था। चारों तिरपाल लेकर मोटरसायकल से भाग रहे थे। तिरपाल कीमत करीब 7000 रुपये बताई जा रही है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा : कलेक्टर

★ कलेक्टर ने ली निर्माण एजेंसियों की बैठक ★ कार्य में रुचि नहीं लेने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले में संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विभागों में कराए जा रहे निर्माणाधीन कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्धारित समयावधी में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने एसडीओ एवं इंजीनियरों को नियमित रूप से फील्ड में जाकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने तथा सामग्री की गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि निर्माण एजेंसियां निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने आरईएस विभाग की समीक्षा के दौरान विभिन्न मदों में स्वीकृत आंगनबाड़ी भवन, सामुदायिक भवन, प्राथमिक शाला, अतिरिक्त कक्ष, शौचालय मरम्मत सहित अपूर्ण निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने 2023-24 के लंबित कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित एसडीओ के वेतन रोकने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने अपूर्ण कार्यों को गुणवता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने को कहा। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जो ठेकेदार स्वीकृति पश्चात् कार्य में रूची नहीं ले रहें हैं ऐसे ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई करें। साथ ही कार्य में विलंब की स्थिति में फाइन अध्यारोपित करने की बात कही। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आगामी 15 दिवस के भीतर लंबित निर्माण कार्य पूर्ण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य पूर्ण नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों का वेतन भुगतान भी रोका जाएगा।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग की समीक्षा करते हुए वर्षा ऋतु के दौरान सड़कों का नियमित मरम्मत कार्य सुनिश्चित करने तथा मार्गों को गड्ढामुक्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में आवागमन किसी भी स्थिति में बाधित नहीं हो सुनिश्चित करे ताकि आमजन को सुरक्षित एवं सुगम यातायात की सुविधा उपलब्ध हो सके। कलेक्टर ने पीएम जनमन योजना अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों को गुणवत्तायुक्त पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संसाधन अंतर्गत निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए विभिन्न सिंचाई एवं जल संसाधन की प्रगति की जानकारी ली एवं सतत निगरानी करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सभी निर्माण एजेंसियों को निर्माण स्थलों पर योजना संबंधी जानकारी प्रदर्शित करने वाले सूचना बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाने के भी निर्देश दिए।

चंद्रशीला जायसवाल लटोरी, अमृता ओड़गी तहसीलदार नियुक्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कलेक्टर रेना जमील ने जिला राजस्व स्थापना अंतर्गत प्रशासनिक व्यवस्था के दृष्टिकोण से जिले में पदस्थ तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों के प्रभार में परिवर्तन करते हुए नई जिम्मेदारी सौंपी है। जारी आदेश के अनुसार ओड़गी तहसीलदार चंद्रशीला जायसवाल को लटोरी तहसीलदार नियुक्त किया गया है और यहां पदस्थ तहसीलदार सुरेंद्र पैकरा का तबादला जशपुर होने के बाद उन्हें नए कार्यस्थल के लिए भारमुक्त कर दिया गया है। बैकुंठपुर से गत माह तबादला के बाद सूरजपुर जिले में आई अमृता सिंह ओडगी तहसीलदार का कार्यभार सौंपा गया है। नायब तहसीलदार करमचंद जाटवर बिहारपुर तहसील के प्रभारी तहसीलदार नियुक्त किए गए हैं।

नायब तहसीलदार बिंदेश्वर प्रजापति को बिहारपुर तहसील से लटोरी तहसील पदस्थ किया गया है।नायब तहसीलदार शैलेन्द्र कुमार को लटोरी से जिला कार्यालय संलग्न किया गया है, जो वेतन भत्तों का आहरण संवितरण तहसील सूरजपुर का कार्य देखेंगे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। अंबिकापुर-बनारस अंतरराज्यीय राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई है। यह हादसा रात करीब 12 बजे लटोरी चौकी क्षेत्र के गंगापुर गांव के पास हुआ है, जहां एक अज्ञात वाहन ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही लटोरी पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों युवकों के शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लटोरी भेजा। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। मृतकों की पहचान 20 वर्षीय प्रकाश सिंह पिता शंभू सिंह निवासी ग्राम कनकपुर, 21 वर्षीय संदीप राजवाड़े पिता गणेश प्रसाद राजवाड़े निवासी ग्राम वीरपुर करौंदामुडा तथा 18 वर्षीय बलवीर यादव पिता जगलाल यादव निवासी ग्राम वीरपुर करौंदामुडा थाना जयनगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तीनों युवक घर से हीरो पैशन प्रो मोटरसाइकिल में सिलफिली मंडी जाने की बात कहकर निकले थे। गंगापुर के पास उनकी बाइक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अज्ञात वाहन चालक ने एक युवक को कुछ दूर तक घसीटते हुए भी ले गया था ।मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (1) के तहत अपराध दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। घटना के बाद कनकपुर और वीरपुर गांवों में शोक की लहर दौड़ गई है। बुधवार दोपहर बाद तीनों युवकों का स्थानीय मुक्तिधाम में गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। गौरतलब है कि अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियानों के बावजूद लोग नियमों की अनदेखी करते हुए एक ही बाइक पर तीन-तीन लोगों के साथ यात्रा करते हैं। वहीं व्यस्त राष्ट्रीय मार्ग पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और प्रभावी यातायात प्रबंधन की कमी को भी दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत युवाओं को मिलेगा नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण रोजगार से जुड़ने का सुनहरा अवसर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत लाइवलीहुड कॉलेज द्वारा जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए विभिन्न व्यवसायों में नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर राज्य एवं राज्य के बाहर प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। लाइवलीहुड कॉलेज में एसी रिपेयरिंग, सोलर पैनल इंस्टॉलेशन, जल वितरण संचालक, वेल्डिंग, सोलर पम्प टेक्नीशियन, ट्रैक्टर सर्विस मैकेनिक एवं असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन ट्रेडों में प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रशिक्षित युवाओं को राज्य एवं राज्य के बाहर रोजगार से जोड़ा जाएगा।

भूमिगत जंगली पुटू के सेवन से बचें, स्वास्थ्य विभाग ने की अपील

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने आमजन से बरसात के मौसम में मिलने वाले अज्ञात जंगली पुटू (मशरूम) का सेवन नहीं करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि जिले के ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में जंगली पुटू पाए जा रहे हैं। भ्रमवश इनके सेवन से स्वास्थ्य बिगड़ने तथा लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की घटनाएं सामने आई हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जंगली पुटू के सेवन के 30 मिनट से 6 घंटे के भीतर तीव्र उल्टी, दस्त, पेट में तेज दर्द, चक्कर आना तथा अत्यधिक पसीना आने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। गंभीर स्थिति में लीवर एवं किडनी प्रभावित होना, बेहोशी, चेतना में कमी तथा दौरे पड़ने जैसी जटिलताएं भी हो सकती हैं। समय पर उपचार नहीं मिलने पर यह स्थिति जानलेवा सिद्ध हो सकती है, विशेषकर बच्चों एवं वृद्धजनों के लिए इसका खतरा अधिक रहता है।

उन्होंने आमजन से अपील की है कि किसी भी अज्ञात या बिना पहचान वाले जंगली पुटू अथवा मशरूम का सेवन न करें। केवल प्रमाणित एवं सुरक्षित मशरूम का ही उपयोग करें तथा यह सोचकर जंगली पुटू का सेवन न करें कि पहले भी इसका सेवन किया गया है या यह खाने योग्य प्रतीत होता है।

यदि जंगली पुटू के सेवन के बाद उल्टी, दस्त, पेट दर्द, पीलापन, बेहोशी अथवा अन्य असामान्य लक्षण दिखाई दें तो बिना विलंब किए निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा जिला चिकित्सालय में तत्काल चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार प्राप्त करें।

स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से सतर्क रहने तथा इस जन जागरूकता संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की है, ताकि जंगली पुटू के सेवन से होने वाली विषाक्तता एवं गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों से बचाव सुनिश्चित किया जा सके।

निधन : राम बाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत तेलईकछार केनापारा निवासी सेवानिवृत्त कालरी कर्मी शिवनारायण रवि की पत्नी राम बाई का बीती रात हृदयगति रुकने से निधन हो गया। वे 68 वर्ष की थीं। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया, जिन्हें मुखाग्नि ज्येष्ठ पुत्र संत लाल रवि ने दी। वे अपने पीछे पति समेत दो पुत्र एक पुत्री समेत भरापुरा परिवार शोकाकुल छोड़ गई हैं। वे जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 2 की सदस्य कलेश्वरी कुर्रे की ननद व लखन कुर्रे की बहन थीं।

समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने स्वंसेवकों का विशेष प्रशिक्षण

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, सिकल सेल एवं गैर संचारी रोग की पहचान पर किया गया जागरूक

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा यूनिसेफ छत्तीसगढ़ एवं एमसीसीआर ट्रस्ट के सहयोग से सामुदायिक स्वयंसेवकों के लिए स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन शासकीय नवीन महाविद्यालय बलरामपुर में किया गया। जिसके माध्यम से समुदाय स्तर पर कार्य कर रहे स्वयंसेवकों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, बच्चों में गैर-संचारी रोगों की पहचान, किशोर स्वास्थ्य तथा सामाजिक चुनौतियों से जुड़े विषयों की व्यवहारिक जानकारी प्रदान कर उन्हें स्वास्थ्य जागरूकता के प्रभावी माध्यम के रूप में तैयार किया गया।

जिसमें 55 सामुदायिक स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण के दौरान सिकल सेल रोग (एससीडी), बच्चों में टाइप-1 मधुमेह, जन्मजात हृदय रोग तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही जिले में बाल विवाह, किशोरी गर्भावस्था तथा स्कूल छोड़ चुके बच्चों जैसी सामाजिक चुनौतियों पर भी चर्चा करते हुए इनके समाधान में समुदाय की सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

इस दौरान बताया गया कि बच्चों में बढ़ते गैर-संचारी रोग की रोकथाम के लिए समुदाय स्तर पर कार्यरत स्वयंसेवकों की विशेष भूमिका है। यदि उन्हें रोगों के शुरुआती लक्षणों, समय पर जांच, उपचार एवं रेफरल सेवाओं की सही जानकारी होगी, तो वे जरूरतमंद बच्चों एवं परिवारों को समय रहते स्वास्थ्य संस्थानों से जोड़कर गंभीर जटिलताओं को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को टाइप-1 मधुमेह के शुरुआती लक्षणों जैसे अत्यधिक प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, अचानक वजन कम होना तथा अत्यधिक कमजोरी की पहचान करने की जानकारी दी गई। साथ ही सिकल सेल रोग की समय पर जांच एवं नियमित उपचार, जन्मजात हृदय रोग से प्रभावित बच्चों के शीघ्र रेफरल तथा गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की नियमित स्वास्थ्य जांच एवं देखभाल के महत्व को विस्तार से समझाया गया।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए परिवारों को जागरूक करने, इसके दुष्परिणामों से अवगत कराने तथा किशोरी गर्भावस्था के स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की जानकारी देते हुए स्वयंसेवकों को समाज में जागरूकता बढ़ाने की बात कही गई। स्कूल ड्रॉपआउट बच्चों को पुन: शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए समुदाय एवं अभिभावकों को प्रेरित करने पर भी चर्चा की गई।

प्रशिक्षण सत्रों में पूर्ण टीकाकरण, संतुलित पोषण, एनीमिया नियंत्रण, संस्थागत प्रसव, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी तथा समुदाय आधारित स्वास्थ्य गतिविधियों को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया गया।

स्वयंसेवकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों को गति देने, जरूरतमंद परिवारों को समय पर स्वास्थ्य संस्थानों से जोड़ने, बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित कराने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय सिंह, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अनुज टोप्पो, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री स्मृति एक्का, यूनिसेफ डॉ. श्वेताभ त्रिपाठी, कम्युनिटी मोबिलाइजेशन कंसल्टेंट सुश्री सुरभि शुक्ला, डॉ. गजेंद्र सिंह, एमसीसीआर ट्रस्ट के संचालक डॉ. डी. श्याम कुमार मौजूद रहे।

विश्रामपुर की रुक्मिणी पाल को मिली पीएचडी की उपाधि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा द्वारा विश्रामपुर निवासी रुक्मिणी पाल को भारत की विभीषिका और हिन्दी उपन्यास स्त्री जीवन के विशेष संदर्भ विषय पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। इस उपलब्धि के साथ ही वे अब डॉ. रुक्मिणी पाल के नाम से पहचानी जाएंगी। उनकी इस सफलता पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। रुक्मिणी पाल ने यह शोध ग्रंथ शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय नागपुर के प्राचार्य डॉ. रामकिंकर पांडेय के शोध निदेशन में पूर्ण किया। अपने शोध में उन्होंने हिन्दी उपन्यास साहित्य में भारत की विभीषिका के चित्रण का विशेष रूप से स्त्री जीवन के संदर्भ में गहन अध्ययन एवं विश्लेषण प्रस्तुत किया है। ज्ञात हो कि साहित्य के इस संवेदनशील एवं गंभीर विषय पर किया गया यह शोध कार्य नारी जीवन के संघर्षों और अनुभवों को साहित्यिक दृष्टि से समझने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है।

बसों के फिटनेस, दस्तावेज एवं सुरक्षा मानकों की नियमित जांच सुनिश्चित करें : सांसद

★ यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने अतिक्रमण पर कार्यवाही के दिए निर्देश ★ सांसद सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

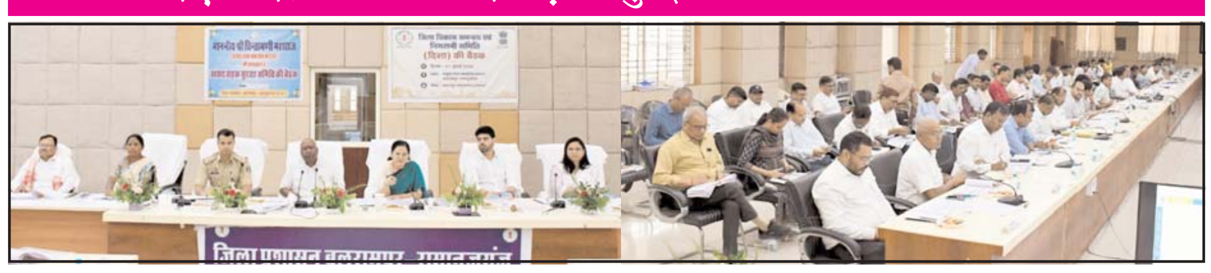

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में सांसद सड़क सुरक्षा समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा संबंधित विभिन्न कार्यप्रणाली तथा जिले में सड़क सुरक्षा क्रिया-कलापों, सड़क दुर्घटना के कारणों को पहचानना, ब्लैक स्पॉटों की पहचान तथा सुधार से संबंधित कार्य, गति सीमा और यातायात को सुचारू बनाने के उपायों, सड़क सुरक्षा अभियान को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया गया।

सासंद श्री चिंतामणि महाराज ने जनता की सुरक्षा व दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए स्पीडिंग, ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग आदि सड़क सुरक्षा के मानक नियमों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सांसद श्री महाराज ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्कूल बसों की फिटनेस, सुरक्षा मानकों एवं आवश्यक दस्तावेजों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित निरीक्षण से संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम होगी तथा सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

बैठक के दौरान सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित अधिकारियों को तत्कालीन व्यवस्था बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सांसद श्री महाराज ने कहा कि आमजन को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है प्राथमिकता से लेते हुए कार्य में प्रगति लाएं। उन्होंने अतिक्रमण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि अवैध कब्जों एवं अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित होने के साथ दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है। उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर सड़क सुरक्षा में बाधक अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मालवाहक वाहनों में लोगों के आवागमन पर भी प्रतिबंध लगाने के निर्देश देते हुए इस संबंध में ग्राम स्तर पर भी प्रचार-प्रसार करने को कहा।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य श्री कृष्णा गुप्ता, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर, वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक बाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, समिति के सदस्य एवं जनप्रतिनिधिगण सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर रखें कड़ी निगरानी : कलेक्टर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर की उपस्थिति में जिला स्तरीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व माह में दिए गए निर्देशों की समीक्षा करते हुए नशा मुक्त अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने पुलिस प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नशे के कारोबार में संलिप्त वाहनों की जप्ती के पश्चात उनकी राजसात एवं नीलामी की कार्रवाई सुनिश्चित करे। उन्होंने जप्त किए गए मादक पदार्थों के सुरक्षित विनष्टीकरण की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।उन्होंने जिले में संचालित दवा दुकानों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में कलेक्टर ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध गांजा एवं अफीम की खेती की पूर्व घटनाओं को देखते हुए निर्देश दिए कि ऐसे क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि ग्रामीण गांजा और अफीम के पौधों की पहचान कर सकें। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि कोई बाहरी व्यक्ति भूमि लीज पर लेकर खेती करता है, तो इसकी सूचना तत्काल पटवारी एवं पुलिस को दी जाए तथा मौके पर जाकर उसका अनिवार्य सत्यापन किया जाए।

कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि स्कूलों एवं कॉलेजों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा कोटपा अधिनियम के अंतर्गत स्कूलों के आसपास नियमित निरीक्षण कर तंबाकू एवं नशीले पदार्थों की बिक्री पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि नशे के प्रसार पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

बैठक में वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक वाजपेयी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर द्वय श्री आर.एस.लाल, श्री प्रमोद गुप्ता सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं पुलिस विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

इंद्रदेव को प्रसन्न कर अच्छी बारिश की आस में ग्रामीणों ने करवाई मेढ़क-मेढ़की की शादी

बाजे गाजे के साथ निकली बारात हुए सात फेरे, दर्जनों गांव के ग्रामीण बने साक्षी

खूंशी क्षेत्र में हुआ आयोजन, आसमान पर टिकी ग्रामीणों की निगाहें

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बारिश की बेरुखी से चिंतित ग्रामीणों द्वारा इंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए जिले के प्रतापपुर विकासखंड के खूंशी क्षेत्र में एक ऐसी अनोखी परंपरा निभाई गई, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अच्छी वर्षा की कामना को लेकर ग्रामीणों द्वारा मंगलवार को मेढ़क और मेढ़की का विवाह पूरे रीति-रिवाज के साथ संपन्न कराया गया है। इस दौरान बाजे गाजे के साथ बारात निकाली गई जो गांव के भ्रमण पश्चात विवाह स्थल पहुंची जहां विवाह कराया गया। इस अनोखे आयोजन में आसपास के दर्जनों गांवों के लोग भी शामिल हुए और पूरे उत्साह के साथ इस परंपरा के साक्षी बने। ग्रामीणों ने बताया कि यह परंपरा उनके पूर्वजों के समय से चली आ रही है। मान्यता है कि जब लंबे समय तक बारिश नहीं होती और सूखे जैसे हालात बनने लगते हैं, तब मेढ़क-मेढ़की का विवाह कराने से इंद्रदेव प्रसन्न होते हैं और क्षेत्र में अच्छी वर्षा होती है। इस अनोखे विवाह से पहले बाकायदा निमंत्रण दिया गया। फिर बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ बारात निकाली गई। ग्रामीणों ने नाचते-गाते विवाह स्थल तक बारात पहुंचाई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाजों के साथ मेढ़क और मेढ़की का विवाह संपन्न कराया गया। पूरे आयोजन के दौरान ग्रामीणों में उत्साह देखने लायक था। विवाह में शामिल बुजुर्गों ने बताया कि जब भी क्षेत्र में बारिश कम होती है, गांव के लोग इस परंपरा का पालन करते हैं। उनका विश्वास है कि यह केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान और सामूहिक एकजुटता का प्रतीक भी है।

आयोजन देखने बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

इस अनोखे आयोजन को देखने के लिए आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने इस पारंपरिक आयोजन में भाग लिया। विवाह के बाद ग्रामीणों ने अच्छी बारिश और बेहतर फसल की कामना करते हुए इंद्रदेव से प्रार्थना की।अब पूरे क्षेत्र की निगाहें आसमान पर टिकी हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि उनकी वर्षों पुरानी परंपरा और सामूहिक प्रार्थना रंग लाएगी तथा आने वाले दिनों में अच्छी बारिश होगी, जिससे खेत-खलिहान फिर से लहलहा उठेंगे और किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौट आएगी।

संकुल से बाहर के जन शिक्षकों को नहीं हटाने से जनपद उपाध्यक्ष ने जताई नाराजगी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। जनपद पंचायत की सामान्य सभा द्वारा पारित प्रस्ताव पर अमल नहीं होने से शिक्षा समिति के अध्यक्ष व जनपद उपाध्यक्ष रामप्रताप साहू ने गहरी नाराजगी जताई है। 30 अप्रैल को हुई बैठक में संकुल क्षेत्र के बाहर से आकर बने जन शिक्षकों को हटाकर संकुल अंतर्गत आने वाले शिक्षकों को जन शिक्षक बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया था।

जनपद उपाध्यक्ष रामप्रताप साहू ने बताया कि दूसरे संकुलों में लंबे समय से जन शिक्षक बने शिक्षकों के कारण उनके मूल स्कूलों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसी को देखते हुए सामान्य सभा में यह प्रस्ताव पारित कर परिपालन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को भेजा गया था। मगर चार माह बीतने के बाद भी समग्र शिक्षा विभाग द्वारा जन शिक्षकों को नहीं हटाया गया है।

स्थानीय बीआरसी और जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रस्ताव की अवहेलना पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए जनपद उपाध्यक्ष ने कहा, ₹शिक्षा विभाग के अधिकारी अपनी मनमानी बंद करें और जनप्रतिनिधियों के निदेशों का पालन करें।₹ उन्होंने कहा कि जनशिक्षकों के अन्यत्र स्कूलों में होने से स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है।

रामप्रताप साहू ने अधिकारियों की मनमानी पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि एक सप्ताह के भीतर यदि जनशिक्षकों को उनके मूल पद-स्थापना स्थल भेजने की कार्रवाई नहीं की गई तो इस मामले को लेकर ऊपर तक जाएंगे।

छुईपारा स्कूल में धूमधाम से माना प्रवेश उत्सव, अभिभावकों से की गई रोज स्कूल भेजने की अपील

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। शासकीय माध्यमिक शाला छुईपारा, विकासखंड प्रतापपुर में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में जरही नगर पंचायत मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान नेवता भोज का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन से हुई। बच्चों ने संस्कृत में सरस्वती वंदना का गायन किया। इसके बाद नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन किया गया। सभी बच्चों को निःशुल्क किताबें और ड्रेस का वितरण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मुकेश सिंह ने कहा, ₹शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो जीवन में हर सुख उपलब्ध कराता है और आपका भविष्य सुधार सकता है। शिक्षा ही जीवन का आधार है, इसलिए सभी बच्चों का ध्यान पढ़ाई पर होना चाहिए।₹ उन्होंने कहा कि अभिभावकों में जो उत्साह है वह शिक्षकों और प्रधान पाठक की कार्यशैली का परिणाम है। सरकार की योजनाएं हैं कि आम लोग भी अपने भविष्य को बेहतर बनाएं। हायर सेकेंडरी सेजेस जरही के व्याख्याता संतोष भारती ने कहा कि विद्यालय का माहौल पढ़ाई और गतिविधियों में अच्छा है। शिक्षकों की मेहनत से ही अधिक छात्र दाखिला लेते हैं। विद्यालय की प्राचार्य ने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजें। यहां गुणवत्तापूर्ण मध्यान भोजन, खेलकूद और गतिविधियां कराई जाती हैं।

वीएसके ऐप की तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु ओड़गी में लगा शिविर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश के अनुपालन में विकासखंड ओड़गी में कर्मचारियों की ऑनलाइन वीएसके ऐप में न्यून उपस्थिति को देखते हुए समग्र शिक्षा के प्रोग्रामर की ड्यूटी लगाकर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य शिक्षकों को ऐप के उपयोग में आ रही तकनीकी कठिनाइयों का त्वरित समाधान कर उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया को सुगम बनाना रहा।

शिविर के दौरान शिक्षकों को वीएसके ऐप में आ रही तकनीकी समस्याओं, जैसे रजिस्ट्रेशन, इनएक्टिव कर्मचारी, अनरजिस्टर्ड कर्मचारी एवं ऐप का लॉगिन न होना आदि का मौके पर ही निराकरण किया गया। इसके साथ ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी ओड़गी से ऐसे शिक्षकों की विस्तृत सूची उपलब्ध कराने हेतु कहा गया, जिन्हें इस प्रकार की तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, ताकि शेष कर्मचारियों की समस्याओं का भी शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर संकुल शैक्षिक समन्वयकों की बैठक भी ली गई, जिसमें एमबीयू अपडेशन, यू-डाइस प्रोग्रेशन, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों की स्कैनिंग एवं वितरण, मध्यान्ह भोजन, शिक्षकों एवं छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति, शिक्षक डायरी लेखन, पाठ्यक्रमानुसार अध्यापन, विद्यालयों के प्रभावी निरीक्षण तथा अन्य विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों ने संबंधित समन्वयकों एवं शिक्षकों को निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान समग्र शिक्षा के जिला मिशन समन्वयक मनोज साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसीसी, समस्त संकुल शैक्षिक समन्वयक एवं संबंधित शिक्षक उपस्थित रहे।

राशि लेकर नहीं कराया आवास निर्माण, 66 की एसडीएम कार्यालय में पेशी, दी गई समझाईश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शासन से आवास निर्माण की राशि प्राप्त करने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं करने अथवा अधूरा छोड़ने वाले हितग्राहियों को पीएम आवास योजना का लाभ बता कर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में एसडीएम प्रतापपुर द्वारा ग्राम पंचायत केवरा, पार्वतीपुर, कनकनगर, सिलफिली, सिंघरा, भेड़िया, सिलौटा, सेमराकला, मतिगढ़ा एवं खैराडीह के ऐसे हितग्राहियों की कार्यालय में पेशी ली गई। पेशी के दौरान 66 हितग्राही उपस्थित हुए, जिन्होंने आवास निर्माण के लिए स्वीकृत राशि प्राप्त करने के बावजूद या तो निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है अथवा अब तक आवास पूर्ण नहीं कराया है। सुनवाई के दौरान एसडीएम ने सभी हितग्राहियों से एक-एक कर निर्माण कार्य की स्थिति की जानकारी ली तथा योजना की राशि का सदुपयोग करते हुए निर्धारित समय-सीमा में आवास पूर्ण करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिन हितग्राहियों ने अभी तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया है, वे तत्काल कार्य शुरू करें और जिनके आवास निमार्णाधीन हैं, वे अगली पेशी तक हर हाल में निर्माण कार्य पूर्ण करें। साथ ही निर्देशित किया गया कि अगली सुनवाई में प्रत्येक हितग्राही अपने निर्मित आवास के फोटो लेकर आये। संबंधित अधीनस्थ अधिकारी अथवा कर्मचारी इसका सत्यापन करेंगें, ताकि निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति का परीक्षण किया जा सके। एसडीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक आवास निर्माण पूर्ण नहीं होगा, तब तक संबंधित हितग्राहियों को नियमित रूप से पेशी में उपस्थित होना पड़ेगा। जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले ने पीएम आवास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराना है। ऐसे में योजना की राशि प्राप्त करने के बाद भी निर्माण कार्य में लापरवाही अथवा राशि का अन्यत्र उपयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। इसी कारण प्रशासन लगातार समीक्षा कर निर्माण कार्यों की निगरानी कर रहा है, ताकि सभी स्वीकृत आवास समय पर पूर्ण कराकर पात्र हितग्राहियों को योजना का वास्तविक लाभ दिलाया जा सके।

कृषि महाविद्यालय में मना माता राजमोहिनी देवी का जन्म दिवस, तीजन बाई को दी गई श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी का जन्म उत्सव अधिष्ठाता डॉ. संतोष कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में जनजातीय गौरव युवा समाज के अध्यक्ष इंद्र भगत एवं उनके साथी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अधिष्ठाता डॉ. सिन्हा ने कहा कि माता राज मोहिनी देवी ने लंबे समय तक समाज सुधार के लिए कार्य किया। ₹हमारे लिए गर्व की बात है कि उनके नाम पर महाविद्यालय का नाम है। हम सबको उनके विचारों को आत्मसात करना चाहिए।₹ श्री इंद्र भगत ने माता जी की जीवनी और समाज सेवा के कार्यों से सभी को अवगत कराया।कार्यक्रम के पश्चात महाविद्यालय खेल परिसर के पास वृक्षारोपण भी कराया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिकारी, कर्मचारी और छात्रों ने पौधे लगाए। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की महान लोक कलाकार पद्म विभूषण तीजन बाई को याद करते हुए उनके निधन पर 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में भव्य स्वागत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। शिक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने तथा प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ने के उद्देश्य से शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पिवरी में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।संकुल प्राचार्य के प्रतिनिधि के रूप में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे व्याख्याता गोपाल सिंह ने कहा कि ₹शिक्षा ही व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के विकास की सबसे सशक्त आधारशिला है। विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकास, संस्कार निर्माण और उनके सुनहरे भविष्य का केंद्र है।₹ उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा उनकी पढ़ाई में निरंतर सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शासन की विभिन्न छात्रहितैषी योजनाओं का लाभ तभी सार्थक होगा, जब प्रत्येक बच्चा नियमित रूप से विद्यालय आएगा। साथ ही उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं लगन के साथ अध्ययन कर अपने परिवार, विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि विमला सिंह, सरपंच, ग्राम पंचायत पिवरी ने शिक्षा को जीवन की अमूल्य पूंजी बताते हुए सभी अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील की। इस अवसर पर कक्षा पहली एवं कक्षा छठवीं के नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, पुष्प भेंट कर एवं शुभकामनाओं के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन मनोज उपाध्याय एवं अंबिका प्रसाद साहू ने संयुक्त रूप से किया।कार्यक्रम में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पिवरी, माध्यमिक शाला छिन्दपारा पिवरी, माध्यमिक शाला बालक रामानुजनगर, माध्यमिक शाला मकरबंधा, प्राथमिक शाला पिवरी, प्राथमिक शाला छिन्दपारा पिवरी, प्राथमिक शाला खुटहनपारा पिवरी, प्राथमिक शाला मकरबंधा एवं प्राथमिक शाला ब्योरापारा मकरबंधा के प्रधान पाठक, शिक्षक, एसएमसी सदस्य, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जयंती पर याद किये गए डॉ. मुखर्जी, विचार गोष्ठी एवं संगठनात्मक बैठक का हुआ आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा शहर मंडल द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जन्म जयंती पर वार्ड क्र 03 पंच मंदिर परिसर में विचार गोष्ठी एवं संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस दौरान अतिथि के तौर पर पूर्व नपा अध्यक्ष थलेश्वर साहू तथा शहर मंडल अध्यक्ष अरविंद मिश्रा उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में किसान मोर्चा जिला महामंत्री अजय अग्रवाल एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेष गोयल उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में श्री साहू ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनका 'एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चलेंगे' का संकल्प आज भी प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्त्रोत है। हमें उनके राष्ट्रवादी विचारों को आत्मसात करते हुए संगठन और राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करना चाहिए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में अरविंद मिश्रा ने कहा कि ₹डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा, त्याग एवं समर्पण का आदर्श उदाहरण है। प्रत्येक कार्यकर्ता को उनके विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लेना चाहिए।।विशिष्ट अतिथि अजय अग्रवाल ने कहा कि ₹डॉ. मुखर्जी का बलिदान भारत की एकता और अखंडता की अमूल्य धरोहर है। उनके आदर्शों पर चलकर ही सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है।₹

नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेष गोयल ने कहा कि ₹डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करने की प्रेरणा देता है। प्रत्येक कार्यकर्ता को उनके विचारों को समाज तक पहुँचाने का दायित्व निभाना चाहिए। भाजपा महिला मोर्चा जिला महामंत्री देवंती साहू ने कहा कि ₹डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का त्याग, राष्ट्रभक्ति और संगठन के प्रति समर्पण हम सभी कार्यकताओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। हमें उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग तक भाजपा नीतियों एवं संगठन की विचारधारा को पहुँचाने का संकल्प लेना चाहिए। बैठक में संगठन के 'सरल एप' के माध्यम से डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सभी कार्यकताओं से सरल एप पर उपलब्ध प्रशिक्षण मॉड्यूल पूर्ण कर अधिक से अधिक प्रमाणपत्र प्राप्त करने तथा संगठन द्वारा संचालित डिजिटल अभियानों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया गया।

इस अवसर पर एल्डरमैन संजय केजरीवाल, शिव शंकर साहू, पार्षद प्रमोद तायल बिसन, अजय सिंह, प्यारे साहू, आशीष गुप्ता, सत्यनारायण गुप्ता, रीता साहू, नितिन गुप्ता, संस्कार अग्रवाल, गुलाब साहू, धर्म सोनी, आशीष गुप्ता, संदीप जायसवाल, बजरंग राजवाड़े, शेखर साहा, महादेव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री नीरज जिंदिया एवं आभार राजू देवांगन ने व्यक्त किया।

सम्पादकीय

इंडोनेशिया यात्रा चीन को उसी की भाषा में जवाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा केवल एक द्विपक्षीय दौरा नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र की बदलती सामरिक राजनीति का अहम संकेत है। यदि इंडोनेशिया के साथ लगभग 2,500 करोड़ रुपये की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल डील पर अंतिम मुहर लगती है, तो यह स्पष्ट संदेश होगा कि भारत अब केवल अपनी सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने मित्र देशों की रक्षा क्षमता बढ़ाकर क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करने की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और हिंद महासागर क्षेत्र के कई देशों में अपने आर्थिक, सामरिक और सैन्य प्रभाव का लगातार विस्तार किया है। पाकिस्तान को अत्याधुनिक हथियार, नौसैनिक सहयोग और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। इसी प्रकार दक्षिण एशिया और हिंद-प्रशांत में चीन की सक्रियता भारत के लिए लगातार रणनीतिक चुनौती बनी हुई है। ऐसे समय में भारत की नीति भी अधिक सक्रिय और आत्मविश्वासपूर्ण होती दिखाई दे रही है। फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति के बाद यदि इंडोनेशिया भी इस सूची में शामिल होता है, तो यह केवल रक्षा निर्यात नहीं रहेगा, बल्कि भारत की रणनीतिक कूटनीति का विस्तार होगा। इसका अर्थ है कि भारत उन देशों के साथ सुरक्षा सहयोग बढ़ा रहा है, जो चीन के बढ़ते दबाव का सामना कर रहे हैं। इंडोनेशिया का महत्व केवल इसलिए नहीं है कि वह दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश है, बल्कि इसलिए भी है कि दक्षिण चीन सागर में उसके हित सीधे चीन से टकराते हैं। नटुना द्वीप समूह के निकट इंडोनेशिया के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में चीनी तटरक्षक जहाजों और मछली पकड़ने वाले बेड़ों की गतिविधियां लंबे समय से तनाव का कारण रही हैं। चीन अपनी तथाकथित 'नाइन-डैश लाइन' के आधार पर लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा करता है, जबकि इंडोनेशिया 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के आधार पर इस दावे को अस्वीकार करता है। नटुना क्षेत्र केवल सामरिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि तेल, प्राकृतिक गैस और समुद्री संसाधनों के कारण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि भारत और इंडोनेशिया के बीच रक्षा सहयोग का महत्व सामान्य हथियार व्यापार से कहीं अधिक है। ब्रह्मोस जैसी सुपरसोनिक मिसाइल केवल एक सैन्य प्रणाली नहीं, बल्कि प्रतिरोधक क्षमता का प्रभावी माध्यम है। इससे इंडोनेशिया की समुद्री सुरक्षा मजबूत होगी और हिंद-प्रशांत में शक्ति संतुलन बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। यदि भविष्य में ड्रोन और अन्य रक्षा प्रणालियों में भी सहयोग बढ़ता है, तो दोनों देशों के संबंध और अधिक गहरे हो सकते हैं। दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश होने के बावजूद इंडोनेशिया की सांस्कृतिक विरासत पर हिंदू-बौद्ध परंपराओं की गहरी छाप है। प्रम्बानन मंदिर, रामायण पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और ऐतिहासिक रूप से गणेश की छवि का मुद्रा पर उपयोग यह दर्शाता है कि सांस्कृतिक विरासत धार्मिक पहचान से कहीं व्यापक होती है। यही साझा सांस्कृतिक आधार दोनों देशों को भावनात्मक मजबूती भी देती है। कुल मिलाकर भारत की विदेश नीति अब केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक और सक्रिय होती दिखाई दे रही है। जिस प्रकार चीन वर्षों से अपने साझेदार देशों के माध्यम से क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाता रहा है, उसी प्रकार भारत भी लोकतांत्रिक, संप्रभु और समान विचार वाले देशों के साथ रक्षा एवं सामरिक सहयोग का दायरा बढ़ा रहा है। यह एक तरह से चीन को उसी की भाषा में भारत का जवाब है।

आर्थिकी

डॉ जयंतीलाल भंडारी

अब रफ्तार से बढ़ेगा टेक्सटाइल सेक्टर

भारत का टेक्सटाइल सेक्टर नए विकास दौर की दहलीज पर खड़ा है। 15 जुलाई से लागू होने वाला भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता इस उद्योग के लिए बड़ा अवसर लेकर आया है, क्योंकि ब्रिटेन ने भारतीय वस्त्रों और परिधानों पर 12% तक का आयात शुल्क समाप्त कर दिया है। इससे भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे और निर्यात को नई गति मिलेगी। दूसरी ओर, सरकार की एफटीए नीति, कपास आयात पर सीमा शुल्क में राहत, पीएम मित्र पार्क, नए श्रम कानून, बजट प्रावधान और तकनीकी वस्त्रों को बढ़ावा देने जैसे कदम उद्योग की क्षमता को मजबूत कर रहे हैं। हालांकि, इस तेजी के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धा और लॉजिस्टिक्स जैसी चुनौतियों का प्रभावी समाधान भी उतना ही आवश्यक होगा।

हाल ही में 5 जुलाई को भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच 15 जुलाई से लागू होने वाले मुक्त व्यापार समझौते के नियम जारी किए गए हैं। इससे भारत का टेक्सटाइल सेक्टर रफ्तार से बढ़ेगा। टेक्सटाइल सेक्टर में अभूतपूर्व वृद्धि और विकास के कई कारण हैं। निश्चित रुप से भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता सबसे बड़ा गेम-चेंजर होगा। 15 जुलाई से लागू होने वाले इस समझौते के तहत यूके ने भारतीय वस्त्रों और परिधानों पर लगने वाले 12 प्रतिशत तक के आयात शुल्क को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है।इससे भारतीय कपड़े और रेडीमेड गारमेंट्स ब्रिटिश बाजार में बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों की तुलना में काफी ज्यादा सस्ते और प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे। इस मुक्त व्यापार समझौते के लाभ और निर्यातकों द्वारा समय पर की गई तैयारी के कारण, यूके और यूरोपीय बाजारों से भारतीय कपड़ों की मांग में 12 से 25 प्रतिशत तक की तेज वृद्धि दर्ज संभावित है। वैश्विक ब्रांड चीन से अपनी सप्लाई चेन को शिफ्ट कर रहे हैं, जिससे भारत को एक बड़ा अवसर मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि इस समय सरकार देश के 4.5 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देने वाले और करीब 174 अरब डॉलर के बाजार आकार के टेक्सटाइल्स सेक्टर को मजबूती देने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है। सरकार ने एक जून से पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित हो रहे टेक्सटाइल सेक्टर को राहत देने और निर्यातकों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए पांच माह के लिए कपास आयात पर लगने वाले सीमा शुल्क को पूर्ण रूप से माफ कर दिया है। सरकार लगातार मुक्त व्यापार समझौतों(एफटीए) में टेक्सटाइल सेक्टर को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ रही है। हाल ही में लागू किए गए नए श्रम कानूनों से टेक्सटाइल सेक्टर को जोरदार बढ़ावा मिलेगा। टेक्सटाइल सेक्टर के विकास के लिए पीएम मित्र पार्क मील का पत्थर हैं। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में टेक्सटाइल सेक्टर के लिए किए गए अभूतपूर्व प्रावधानों का कार्यान्वयन शुरु हो गया है। साथ ही पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के द्वारा टेक्सटाइल सेक्टर में सुधार के लिए उठाए गए बहुआयामी कदम टेक्सटाइल सेक्टर को लाभान्वित करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस परिदृश्य के मद्देनजर वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने भारत के टेक्सटाइल सेक्टर की रेटिंग बढ़ाई है। इनवेस्टमेंट इनफॉरमेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (आईसीआरए) ने भारत के टेक्सटाइल सेक्टर का आउटलुक 'नेगेटिव' से बढ़ाकर 'स्टेबल' कर दिया है। गौरतलब है कि हाल ही में एक जून से भारत और ओमान के बीच सीईपीए (व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता) लागू हुआ है। इस समझौते के तहत ओमान ने भारत के टेक्सटाइल सहित 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर आयात शुल्क पूरी तरह से शून्य कर दिया है। इसी तरह एफटीए वाले अन्य देशों में ज़ीरो या लगभग ज़ीरो ड्यूटी एक्सेस की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ सफलतापूर्वक कार्यान्वित हो रहे एफटीए से टेक्सटाइल निर्यात में भारी उछाल आया है। साथ ही आगामी महीनों में न्यूजीलैंड तथा यूरोपीय संघ के साथ एफटीए के

क्रियान्वयन से इन देशों को भारत से तेजी से टेक्सटाइल निर्यात बढ़ेगा। खासतौर से यूरोप के 27 देशों के संगठन यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते पर अमल शुरू होने के दो-तीन वर्षों में ही यूरोपीय संघ को भारत से करीब 20 अरब डालर तक का टेक्सटाइल निर्यात बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, इन दिनों अमेरिका के साथ जिस द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप दिया जा रहा है, उसके तहत भारत को अमेरिका में धागे और कपास से बने कपड़ों पर भारी शुल्क छूट हासिल होगी और टेक्सटाइल निर्यात ऊंचाई पर पहुंचेंगे। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत में टेक्सटाइल सेक्टर को मजबूती देने के मद्देनजर पिछले माह 9 मई से पूरे देश में जमीनी स्तर पर लागू की गई चार नई श्रम संहिताएं (लेबर कोड) अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि केन्द्रीय कपड़ा मंत्रालय ने सात मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल पार्क स्थापित करने के लिए जो पीएम मित्र पार्क योजना शुरू की है, उसके तहत काम प्रगति पर है और उससे देश के टेक्सटाइल सेक्टर को नई ऊंचाई मिलेगी । पीएम मित्र पार्क प्रधानमंत्री के पांच-एफ विजन-फार्म से फाइबर, फाइबर से फैक्ट्री, फैक्टरी से फैशन और फैशन से फॉरेन तक से प्रेरित है। यह एक 'आत्म-निर्भर भारत' के निर्माण की दृष्टि को पूरा करने और भारत को वैश्विक वस्त्र मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने की आकांक्षा रखता है। सरकार की इस पहल से इन टेक्सटाइल पार्कों में करीब एक लाख करोड़ रुपए का निवेश आने का अनुमान है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में एक अप्रैल से तेजी से क्रियान्वित हो रहे केंद्रीय बजट के तहत टेक्सटाइल सेक्टर के लिए जिस तरह अभूतपूर्व प्रावधान किए गए हैं, उससे भारत के टेक्सटाइल सेक्टर को तेजी से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। बजट में 'टेक्स-इको' पहल अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। बजट में उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से वस्त्र कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को आधुनिक बनाने के लिए 'सामर्थ्य -2' का अनावरण किया गया है। बजट में महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल भी महत्वपूर्ण है। यह पहल खादी, हथकरघा और हस्तशिल्प को मजबूत करने के लिए, एक जिला एक उत्पाद को भी समर्थन देती है। निसंदेह टेक्सटाइल सेक्टर के लिए ऐसे अभूतपूर्व रणनीतिक प्रयासों से भारत का टेक्सटाइल उद्योग तेजी से आगे बढ़ेगा। लेकिन टेक्सटाइल सेक्टर के तेजी से बढ़ने की संभावनाओं के बीच हमें इस बात पर ध्यान रखना होगा कि विगत वर्षों में टेक्सटाइल सेक्टर पर अनिश्चितताओं और बदलावों का दबाव रहा है और अभी भी वर्ष 2026 में टेक्सटाइल सेक्टर में बढ़ते मौकों के बावजूद बड़ी चुनौतियाँ सामने खड़ी हुई हैं। जिसमें लगातार लॉजिस्टिक्स पर असर डालने वाली जियोपॉलिटिकल रुकावटें, बढ़ती इनपुट और कम्प्लायंस लागत और सोर्सिंग जगहों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा शामिल हैं। इन चुनौतियों के समाधान के साथ टेक्सटाइल निर्यात बढ़ाने के लिए अधिक प्रयासों की जरूरत दिखाई दे रही है। उम्मीद करें कि 15 जुलाई से भारत और ब्रिटेन के बीच लागू होने वाले मुक्त व्यापार समझौते से भारत के टेक्सटाइल सेक्टर को रफ्तार मिलेगी। एक जून से 30 अक्टूबर तक के लिए लागू कपास के आयात में सीमा शुल्क की छूट से भारत के टेक्सटाइल सेक्टर को पर्याप्त राहत मिलेगी और विदेशों में भारत के टेक्सटाइल निर्यातक प्रतिस्पर्धी बने रहेंगे। ऐसे में हम उम्मीद करें कि लक्ष्य के मुताबिक वर्ष 2030 तक टेक्सटाइल का बाजार आकार तेजी से बढ़कर 350 अरब डॉलर और निर्यात 100 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचते हुए दिखाई देंगे। साथ ही वर्ष 2030 तक टेक्सटाइल सेक्टर में रोजगार के 3.5 करोड़ से अधिक नए मौके निर्मित होते हुए भी दिखाई देंगे।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुद्दा

महेन्द्र तिवारी

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोलः सरकार बनाम सोशल मीडिया के दावे

भारत तेजी से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल का मिश्रण, जिसे ई-20 कहा जाता है। सरकार का दावा है कि इससे कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटेगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी, किसानों की आय बढ़ेगी और पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से ई-20 को लेकर अनेक दावे और आशंकाएं सामने आई हैं। कहीं कहा गया कि इससे वाहन के इंजन जल्दी खराब हो जाएंगे, कहीं माइलेज में भारी गिरावट का दावा किया गया, तो कहीं यह तक कहा गया कि ऐसे ईंधन का उपयोग करने पर वाहन का बीमा अमान्य हो सकता है। इन दावों के बाद आम वाहन मालिकों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। हाल ही में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इन दावों पर विस्तृत स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि ई-20 कार्यक्रम किसी जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नहीं है बल्कि यह वैज्ञानिक अनुसंधान, भारतीय परीक्षणों और दुनिया के अनेक देशों के अनुभवों पर आधारित है। मंत्रालय का कहना है कि सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे अधिकांश दावे भ्रामक हैं और लोगों को तथ्यों के आधार पर अपनी राय बनानी चाहिए। भारत में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम कोई नई पहल नहीं है। इसकी शुरुआत कई वर्ष पहले कम प्रतिशत मिश्रण के साथ हुई थी। समय के साथ एथेनॉल उत्पादन क्षमता बढ़ी और सरकार ने मिश्रण का लक्ष्य भी बढ़ाया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार भारत ने निर्धारित समय से पहले 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया। सरकार का मानना है कि इससे पेट्रोलियम आयात पर होने वाला भारी खर्च कम होगा और देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। साथ ही गन्ना, मक्का तथा अन्य फसलों से एथेनॉल उत्पादन होने के कारण किसानों के लिए अतिरिक्त बाजार उपलब्ध होगा। सबसे बड़ा विवाद इंजन की सुरक्षा को लेकर सामने आया। सोशल मीडिया पर कई वीडियो और पोस्ट में दावा किया गया कि ई-20 पेट्रोल से इंजन के धातु और रबर के पुर्जे तेजी से खराब हो जाते हैं। सरकार ने इन दावों को गलत बताते हुए कहा कि भारतीय अनुसंधान संस्थानों और वाहन निर्माताओं द्वारा किए गए परीक्षणों में ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला कि ई-20 से आधुनिक वाहनों के इंजन को गंभीर नुकसान पहुंचता है। मंत्रालय के अनुसार जिन वाहनों को ई-20 के अनुरूप बनाया गया है, उनमें इसका सुरक्षित उपयोग किया जा सकता है। हालांकि बहुत पुराने वाहनों में कुछ रबर या प्लास्टिक के पुर्जों का घिसाव अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है, लेकिन इसे व्यापक इंजन खराबी का प्रमाण नहीं माना जा सकता। माइलेज का मुद्दा भी चर्चा का विषय बना हुआ है। एथेनॉल की ऊर्जा क्षमता पेट्रोल की तुलना में कुछ कम होती है, इसलिए कुछ परिस्थितियों में ईंधन दक्षता में हल्की कमी आ सकती है। स्वयं पेट्रोलियम मंत्री ने भी स्वीकार किया है कि माइलेज में मामूली गिरावट संभव है, लेकिन सरकार का कहना है कि यह इतनी अधिक नहीं होती कि वाहन संचालन पर बड़ा प्रभाव पड़े। दूसरी ओर कुछ उपभोक्ताओं का अनुभव इससे अलग भी रहा है और उन्होंने अधिक कमी महसूस होने की शिकायत की है। यही कारण है कि इस विषय पर सार्वजनिक बहस अभी भी जारी है। बीमा को लेकर फैली अफवाहों ने भी लोगों को परेशान किया। कई संदेशों में दावा किया गया कि यदि वाहन में ई-20 पेट्रोल का उपयोग किया गया तो दुर्घटना की स्थिति में बीमा कंपनी दावा स्वीकार नहीं करेगी। मंत्रालय ने इसे पूरी तरह भ्रामक बताया है। सरकार के अनुसार यदि वाहन निर्माता ने ई-20 उपयोग की अनुमति दी है या वाहन इस ईंधन के अनुरूप है, तो केवल ई-20 का उपयोग करने के कारण बीमा या वारंटी समाप्त नहीं होती। वाहन निर्माता कंपनियों ने भी इस संबंध में उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है। एक और वायरल दावा था कि एथेनॉल उत्पादन में अत्यधिक पानी खर्च होता है और इससे जल संकट बढ़ जाएगा। कुछ संदेशों में एक लीटर एथेनॉल बनाने के लिए हजारों लीटर पानी खर्च होने की बात कही गई। सरकार ने इसे भी गलत बताया है। कुल मिलाकर ई-20 पेट्रोल को लेकर दो समानांतर तस्वीरें सामने आती हैं। पहली तस्वीर सरकार और वैज्ञानिक संस्थानों की है, जो इसे ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानते हैं। दूसरी तस्वीर उन उपभोक्ताओं और विशेषज्ञों की है जो माइलेज, पुराने वाहनों की अनुकूलता और दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर अधिक अध्ययन और पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। ऐसे में किसी भी नई तकनीक की सफलता अंततः तथ्यों, पारदर्शिता और निरंतर संवाद पर ही निर्भर करती है।

(लेखिक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सिया राम मय सब जग जानी

संकलित

दर्शन

हमारे वेद कहते हैं- सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया...अर्थात सब सुखी हों, सब निरोगी हों। वहां कोई, वर्ण, जाति, समूह और पक्ष-विपक्ष की बात ही नहीं है। हमारे ऋषि मुनियों ने युगों पहले यह सूत्र दे दिया था-वसुधैव कुटुंबकम् यानी पूरी वसुधा ही हमारा परिवार है। संपूर्ण विश्व के लोगों के सुख और स्वास्थ्य की कामना भारतीय दर्शन [illegible] का मूल है। न सिर्फ मनुष्य, बल्कि जीव मात्र के हित की इच्छा रखना ही सनातनी परिचय है। मैं राम कथा गाता हूं। राम राज के मूल में भी सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया की ही भावना है। भगवान श्रीराम ने सेतु बनाया। आज पूरे विश्व में समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सेतु बनाए जाने की आवश्यकता है। जिसमें भी राम तत्व होगा, वह केवल जोड़ने की बात करेगा, तोड़ने की नहीं। सत्य, प्रेम और करुणा प्रमुख राम तत्व हैं। जिसमें ये तत्व होंगे, वह वंचितों तक पहुंचेगा। राम समाज के वंचित लोगों के पास स्वयं चलकर गए। केवट, शबरी, अहिल्या के प्रसंग इसके प्रमाण हैं। आज समाज की एक बड़ी जरूरत है कि सक्षम लोग वंचित लोगों तक, अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक स्वयं चल कर पहुंचें। मानस में नौ प्रकार की भक्ति का वर्णन हुआ है। शबरी के सामने गाई गई नौ प्रकार की भक्ति में गोस्वामी जी ने सातवीं भक्ति पूरे संसार को ब्रह्ममय मानना-देखना बताई है-'सातवं सम मोहि मय जग देखा।' जब हम पूरे संसार को ब्रह्ममय देखेंगे, महसूस करेंगे तो किसी के भी दोष दिखाई नहीं देंगे।

एक दिन का पुण्य ही क्यूं

संकलित

प्रेरणा

निर्जला एकादशी से अगले दिन एक भिखारी एक सज्जन की दुकान पर भीख मांगने पहुंचा। सज्जन व्यक्ति ने 1 रुपए का सिक्का निकाल कर उसे दे दिया। भिखारी को प्यास भी लगी थी, वो बोला बाबूजी एक गिलास पानी भी पिलवा दो, गला सूखा जा रहा है। सज्जन व्यक्ति ने गुस्से में कहा- तुम्हारे बाप के नौकर बैठे हैं क्या हम यहां, पहले पैसे, अब पानी, थोड़ी देर में [illegible] रोटी मांगेगा, चल भाग यहां से। भिखारी बोला- बाबूजी गुस्सा मत कीजिये मैं आगे कहीं पानी पी लूंगा। पर जहां तक मुझे याद है, कल आपने निर्जला एकादशी व्रत कथा का पाठ किया था, तथा कल इसी दुकान के बाहर मीठे पानी की छबील लगी थी और आप स्वयं लोगों को रोक रोक कर जबरदस्ती अपने हाथों से गिलास पकड़ा रहे थे, मुझे भी कल आपके हाथों से दो गिलास शर्बत पीने को मिला था। मैंने तो यही सोचा था, आप बड़े धर्मात्मा आदमी है, पर आज मेरा भरम टूट गया। कल की छबील तो शायद आपने लोगों को दिखाने के लिये लगाई होगी? मुझे आज आपने कड़वे वचन बोलकर अपना कल का सारा पुण्य खो दिया। अगर मैं कुछ ज्यादा बोल गया हूं तो। सज्जन व्यक्ति को बात दिल पर लगी, उसकी नजरों के सामने बीते दिन का प्रत्येक दृश्य घूम गया। उसे अपनी गलती का अहसास हो रहा था। वह स्वयं अपनी गद्दी से उठा और अपने हाथों से गिलास में पानी भरकर उस बाबा को देते हुए उसे क्षमा प्रार्थना करने लगा। भिखारी- बाबूजी मुझे आपसे कोई शिकायत नही, परन्तु अगर मानवता को अपने मन की गहराइयों में नही बसा सकते तो एक-दो दिन किये हुए पुण्य कार्य व्यर्थ ही हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

विश्व क्षमा दिवस आत्मशुद्धि और मानवता का अमृत पर्व

हर वर्ष 7 जुलाई को विश्व क्षमा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को पुराने मतभेदों, कटु स्मृतियों और वैरभाव को भुलाकर स्वयं तथा दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रेरित करना है। वर्ष 1994 में कनाडा में क्राइस्ट्स एंबेसडर्स क्रिश्चियन एंबेसी द्वारा इस दिवस की शुरुआत की गई थी। आज यह दिन केवल किसी एक देश या समुदाय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया में शांति, प्रेम, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों का संदेश देने वाला अवसर बन चुका है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, तनाव, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के बीच क्षमा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह केवल एक शब्द नहीं बल्कि जीवन को प्रकाशमान करने वाली ऐसी साधना है, जो व्यक्ति के भीतर के अंधकार को समाप्त कर देती है। क्षमा का अर्थ केवल किसी से औपचारिक रूप से यह कह देना नहीं कि 'मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ।' – *सचिन गुलिया, रोहतक*

ट्रेंड

प्रतिबद्धता पर अडिग रहे मुखर्जी

आज हमारा देश महान दूरदर्शी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद कर रहा है। हमने अनुच्छेद 370 हटाकर उनका सपना पूरा किया है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विचार के पक्षधर थे और राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहे। **-नरेंद्र मोदी**, पीएम

कहां है पासपोर्ट की ताकत

मोदी सरकार की नीतियां भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 में दावा किया था कि विदेश यात्रा करने वाले और विदेशों में रहने वाले लोग आज भारतीय पासपोर्ट की ताकत और सम्मान को जानते हैं। वह 'ताकत' आखिर दिखाई कहां देती है? **-मल्लिकार्जुन खरगे**, कांग्रेस अध्यक्ष

एसआईआर पर आपत्तियां

निर्वाचन आयोग जिस तरह से एसआईआर कर रहा है, उसे लेकर हमारी भी आपत्तियां हैं। हमने मामले को अदालत में उठाया है। हमारी सरकार का कोई भी व्यक्ति एसआईआर प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं कर रहा है। सभी अधिकारी निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत काम कर रहे हैं। **-डी. के. शिवकुमार**, सीएम कर्नाटक

एमपी में इसी माह यूसीसी

एमपी में इसी महीने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) आएगा। हिंदू एक शादी करता है और सात फेरे लेता है, तो सभी के लिए ऐसा ही कानून होना चाहिए। कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है। वह फिर दावा करेगी कि यह कानून किसी धर्म विशेष के खिलाफ है। **-डॉ. मोहन यादव**, सीएम एमपी

करंट अफेयर

चीन ने लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का किया परीक्षण

चीन की सेना ने सोमवार को दक्षिण प्रशांत महासागर में अपनी परमाणु संचालित पनडुब्बी से लंबी दूरी तक प्रहार करने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। कई देशों ने इसका विरोध करते हुए चिंता व्यक्त की है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, मिसाइल का प्रक्षेपण दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर किया गया और यह एक 'डमी' हथियार से लैस थी। चीन ने करीब दो वर्ष पहले प्रशांत महासागर में मिसाइल परीक्षण किया था, तब एक 'डमी' हथियार से लैस अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई थी। 'शिन्हुआ' की खबर में कहा गया कि यह प्रक्षेपण नियमित वार्षिक प्रशिक्षण का हिस्सा है जो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और यह किसी देश के खिलाफ नहीं था। इस खबर को रक्षा मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया पर दोबारा साझा किया गया। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने इस परीक्षण की आलोचना की। न्यूजीलैंड सरकार ने कहा कि उसे इस नियोजित प्रक्षेपण की जानकारी कुछ घंटे पहले दे दी गई थी और उसने इस पर ध्यान आकर्षित किया कि मिसाइल को दक्षिण प्रशांत महासागर के परमाणु मुक्त क्षेत्र में दागा गया था।

ऑफ बीट

चित होकर लेटना 'सदर्न राइट व्हेल' की कोई बीमारी नहीं है

अगर आप साल के इस समय ऑस्ट्रेलिया के किसी भी दक्षिणी तट पर खड़े हों, तो हो सकता है कि आपको छिछले पानी में तैरती हुई 'सदर्न राइट व्हेल' (यूबेलेना ऑस्ट्रैलिस) देखने को मिल जाए। समुद्र के ये विशालकाय जीव प्रजनन करने, बच्चे को जन्म देने और आराम करने के लिए दक्षिणी महासागर और अंटार्कटिका से यहां आते हैं। अगर आप सच में खुश किस्मत हों, तो हो सकता है कि आप उनमें से किसी एक को चित (उल्टा) होकर आराम करते हुए भी देख लें। पहली नज़र में, यह हैरान कर देने वाला व्यवहार– जो अन्य बड़ी व्हेल मछलियों में नहीं देखा गया है– आपको यह सोचने पर मजबूर कर सकता है कि यह जीव बीमार या घायल है। वास्तव में , यह एक स्वस्थ मां का संकेत हो सकता है, जो अपनी जिंदगी के सबसे ज्यादा ऊर्जा की मांग वाले दौर में अपनी ऊर्जा के भंडार को सावधानी से संभाल रही है। संतुलित करने की कोशिश सदर्न राइट व्हेल छह हजार किलोमीटर से भी ज्यादा लंबी दूरी तय करती हैं। यह दूरी पर्थ से सिडनी और वापस आने की दूरी के बराबर है। अगर यह दूरी आपको मुश्किल भरी नहीं लगती, तो जान लें कि ऑस्ट्रेलिया में बच्चे को जन्म देने वाली जगहों पर 'सदर्न राइट व्हेल' कुछ भी खाती–पीती नहीं हैं।

न्यायालय तहसीलदार लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०.20260102060002 1/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम सखौली को सुचित किया जाता है कि आवेदिका बैजन्ती सिंह पिता स्व० बिसाहू राम, जाति गोंड, निवासी ग्राम सखौली, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर), जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा ग्राम सखौली स्थित 1181 रकबा 0.162 हे० को अनावेदक शिवशंकर पिता हीरालाल, जाति गोंड, निवासी ग्राम करजी चौक, सोहगा, तहसील दरिमा, जिला सरगुजा छ०ग० से दिनांक 08/07/2024 को पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया गया है। आवेदिका द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति पेश करना हो तो वह दिनांक 22/07/2026 तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 08/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी

तहसीलदार
लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला सरगुजा

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत जुलाई माह का निःशुल्क राशन वितरण शुरू

सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी, सोनभद्र ने बताया कि खाद्य एवं रसद विभाग के निदेर्शानुसार जनपद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत जुलाई 2026 का निःशुल्क खाद्यान्न वितरण 06 जुलाई से 20 जुलाई, 2026 तक उचित दर दुकानों के माध्यम से किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

अदालत ने आरोपी निदा खान को जमानत दी

नासिक। नासिक की एक अदालत ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की कर्मचारी निदा खान को यहां स्थित कंपनी की शाखा में कथित यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण से जुड़े मामलों में से एक में सोमवार को जमानत दे दी। उसे गिरफ्तारी के करीब दो महीने बाद यह राहत मिली है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश केजी जोशी ने निदा खान को जमानत दी।

सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकारी करूर भगदड़ की याचिका

नई दिल्ली। तमिलनाडु के चर्चित करूर भगदड़ मामले में सीएम विजय थलापति की सरकार की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। विपक्षी दल डीएमके की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई की मांग स्वीकार कर ली है। अब इस मामले की सुनवाई मंगलवार को होगी। डीएमके के आरएस भारती ने याचिका लगाई थी।

हादसे में सिपाही और ट्रक चालक की मौत

कानपुर। कानपुर के बर्रा इलाके में हुए हादसे में यातायात पुलिस में तैनात एक सिपाही और ट्रक चालक की मौत हो गई तथा एक अन्य कांस्टेबल गम्भीर रूप से घायल हो गया। अपर पुलिस आयुक्त विपिन ताडा ने जब दोनों पुलिसकर्मी मोटरसाइकिल से बर्रा मार्ग पर पहुंचे तभी ट्रक ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी।

ताजमहल में मंदिर पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 6 जुलाई को ताजमहल परिसर में तेजो महालय मंदिर होने के दावे से मामले में सर्वे के लिए एडवोकेट कमीशन नियुक्त करने की मांग में दाखिल याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए जवाब मांगा है।

भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से लेकर भरतनाट्यम और कठपुतली के जरिए रामायण की प्रस्तुति का लिया आनंद

जकार्ता में मोदी-मोदी के नारों के साथ भारतीयों के शानदार स्वागत से अभिभूत हुए प्रधानमंत्री

बोले, अपनी उपलब्धियों के जरिए विश्व के साथ देश के बंधन को मजबूत बनाने में प्रवासियों की अहम योगदान

नई दिल्ली

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में सोमवार को हुआ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत हर मायने में अद्भुत कहा जा सकता है। जिसकी शुरुआत पीएम के विमान की इंडोनेशिया की हवाई सीमा में प्रवेश के साथ हुई। जहां इंडोनेशिया के लड़ाकू विमानों ने उनके विमान को आसमान में सुरक्षा घेरा यानी एस्कॉर्ट प्रदान किया। हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने स्वयं पहुंचकर पीएम मोदी की अगवानी की। जिसके बाद होटल पहुंचने पर वहां पहले से ही बड़ी तादाद में मौजूद प्रवासी भारतीय समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री का बेहद गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। कक्ष में चारों ओर भारत माता की जय और मोदी-मोदी के नारे गूंजने लगे। अपनी कुछ एक्स पोस्ट के माध्यम से प्रधानमंत्री ने यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि पीएम मोदी की इंडोनेशिया का कार्यक्रम 6 से 8 जुलाई तक रहेगा। जिसमें वह आगामी समय में राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेंगे। इसके अलावा कई अन्य कार्यक्रमों में भी वह शिरकत करेंगे।

देश की प्रगति में प्रवासियों की गहरी निष्ठा

इंडोनेशिया में भारतीयों की कुल अनुमानित संख्या 1.4 लाख है। उनके जोरदार स्वागत को लेकर प्रधानमंत्री काफी अभिभूत नजर आए और उन्होंने कहा कि प्रवासियों का स्नेह व देश की प्रगति को लेकर उनकी अटूट निष्ठा हकीकत में प्रेरणादायक है। भारत का प्रवासी समुदाय अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों के जरिए दुनिया के साथ हमारे देश के बंधनों को सशक्त बनाने में लगे हुए हैं।

यूं जीवंत हुई बुद्ध की शिक्षाएं

एक अन्य एक्स पोस्ट में पीएम ने विहार धर्म रत्न समूह के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत, त्रिरत्न को श्रद्धांजलि का उल्लेख किया। जिसमें समूह ने भगवान बुद्ध की कालातीत शिक्षाओं और त्रिरत्न में शामिल उनके गहन मूल्यों को प्रतिबिंबित किया था। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि इंडोनेशिया के लोगों द्वारा बौद्ध धरोहर की इस समृद्ध विरासत को बेहद उत्साह के साथ संरक्षित करने के अलावा यूं मनाए जाने के रूप में देखना ह्दयस्पर्शी है। राजधानी जकार्ता में ही उन्होंने समन्वया समूह द्वारा प्रस्तुत किया गया भरतनाट्यम भी देखा। जिसे लेकर पीएम ने प्रसन्नता जाहिर की और कहा कि इन परंपराओं को भारत के इस मित्र देश में बेहद निष्ठा और उत्कृष्टता के साथ संरक्षित और प्रस्तुत किया जा रहा है।

कठपुतली के जरिए देखी रामायण

एक पोस्ट में पीएम नरेंद्र मोदी ने इंडोनेशिया की अनमोल छाया कठपुतली परंपरा वायंग कुलिट का जिक्र किया और बताया कि यह एक आकर्षक प्रदर्शन था। जिसे मैंने देखा है। इसमें रामायण की कालातीत कहानी को जीवंत किया गया। मेरे लिए यह एक मार्मिक याद दिलाने वाला पल था। जिसमें साफ-साफ यह नजर आ रहा था कि हमारी यह साझा सभ्यतागत विरासत कैसे समुद्रों और पीढ़ियों के पार यात्रा करती है? साथ ही अपने शाश्वत मूल्यों को संजोए हुए स्थानीय रूपों में सुंदर अभिव्यक्ति ग्रहण करती हुई नजर आती है। प्रधानमंत्री ने प्रदर्शन में शामिल गणेश नाम की टीम को प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

भारत में ईरान के दूतावास ने एक्स पर पोस्ट के जरिए दी है यह प्रतिक्रिया

खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल हुए भारतीय दल के प्रति ईरान ने जताया आभार

नई दिल्ली

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बीते दिनों ईरान गए भारत सरकार के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से लेकर समाज के अन्य प्रतिनिधियों की भागीदारी की तेहरान ने सराहना की है। साथ ही इसके लिए भारत के प्रति आभार व्यक्त किया है। यह जानकारी नई दिल्ली में मौजूद ईरान के दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से दी है। जिसमें बताया कि भारत के समूचे प्रतिनिधिमंडल की ईरान के शहीद नेता अयातुल्ला खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोहों में भाग लेने और श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए हार्दिक कृतज्ञता और सच्ची प्रशंसा व्यक्त करता है। ज्ञात हो कि खामेनेई की इसी साल अमेरिका, इजरायल के संयुक्त हवाई हमले में 28 फरवरी को मौत हो गई थी। जिसके बाद कई कारणों की वजह से लगातार उनका अंतिम संस्कार नहीं हो सका था। ईरान ने अब इसके लिए 4 से 9 जुलाई का वक्त तय किया है। जिसके लिए ईरानी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया था। पीएम अपनी पहले से तय विदेश यात्रा की वजह से इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुई। जबकि भारत की तरफ से सर्वोच्च ईरानी नेता के अंतिम संस्कार में बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने शिरकत की थी। इनके अलावा कांग्रेस, पीडीपी सहित कुछ धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी व्यक्तिगत रूप इस कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रतिबिंबित हुए ऐतिहासिक संबंध

इन गंभीर समारोहों में राजनीतिक नेताओं, सांसदों, प्रसिद्ध विद्वानों, भारत के विभिन्न संप्रदायों और धार्मिक समुदायों के नेताओं की सम्मानित उपस्थिति ने हमारे दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और मानवीय बंधनों को प्रतिबिंबित किया है। जो कि ईरान के लोगों के प्रति राष्ट्रीय शोक के इस समय पर पारस्परिक सम्मान और सच्ची एकजुटता का एक मजबूत अभिव्यक्ति थी। ईरान के लोग इस मित्रता, करुणा तथा हार्दिक सम्मान के इशारे को कभी नहीं भूलेंगे। हम इसे भारत, ईरान के बीच लंबे वक्त से चली आ रही मित्रता को और अधिक मजबूत करने के लिए एक मूल्यवान आधार मानते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का मोदी सरकार पर हमला

कहा- भारत की वैश्विक साख को नुकसान पहुंचा रही हैं नीतियां

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार की विदेश, पर्यटन और पासपोर्ट संबंधी नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2018 में भारतीय पासपोर्ट की बढ़ती ताकत और सम्मान का दावा किया था, लेकिन वर्तमान स्थिति उस दावे के विपरीत दिखाई देती है। सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2018 में कहा था कि विदेश यात्रा करने वाले और विदेशों में रहने वाले लोग आज भारतीय पासपोर्ट की ताकत और सम्मान को महसूस करते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि ऐसा है, तो यह ताकत वैश्विक रैंकिंग में क्यों दिखाई नहीं देती?

वैश्विक मानकों पर पिछड़ता भारत

कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के हवाले से एक वैश्विक पासपोर्ट रैंकिंग में भारत वर्ष 2013 में 74वें स्थान से जून 2026 में 80वें स्थान पर पहुंच गया है। वहीं, ग्लोबल सिटिजन सॉल्यूशंस की एक अन्य वैश्विक पासपोर्ट रैंकिंग में भारत को वर्ष 2026 में 125वां स्थान दिया गया है।

पासपोर्ट बनाना हुआ और महंगा

खड़गे ने आरोप लगाया कि सरकार ने सेवाओं में सुधार करने के बजाय पासपोर्ट बनवाना और महंगा कर दिया है। उनके अनुसार सामान्य पासपोर्ट की फीस 1,500 से बढ़ाकर 2,500 कर दी गई है, जबकि तत्काल पासपोर्ट सेवा का शुल्क बढ़ाकर 5,000 कर दिया गया है।

घट रहे हैं विदेशी पर्यटक

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या अभी तक कोविड-19 महामारी से पहले के स्तर तक नहीं पहुंच सकी है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2019 में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या 1.093 करोड़ थी, जो वर्ष 2024 में घटकर 99.5 लाख रह गई। क्या सरकार इस कमी को छिपाने के लिए अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के आगमन के आंकड़ों को विदेशी पर्यटकों के आंकड़ों के साथ जोड़कर पेश कर रही है। खड़गे ने भारत की आधिकारिक वीजा आवेदन वेबसाइट की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश की वीजा आवेदन प्रणाली आज भी पुरानी और जटिल प्रतीत होती है तथा यह आधुनिक भारत की छवि के अनुरूप नहीं है। 'अतिथि देवो भव' की भावना वाले देश में विदेशी पर्यटकों के लिए बेहतर और सरल डिजिटल व्यवस्था होनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यदि भारतीय पासपोर्ट की वैश्विक स्थिति कमजोर हुई है, विदेशी पर्यटन अभी तक पूरी तरह नहीं संभला है, वीजा सेवाएं संतोषजनक नहीं हैं और नागरिकों से अधिक शुल्क लिया जा रहा है, तो सरकार जिस वैश्विक सम्मान का दावा करती है, वह आखिर दिखाई कहां देता है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

हरियाणा में 24 घंटे तक वेंटिलेटर न मिलने के कारण एक नवजात शिशु की मौत की रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया

आयोग ने हरियाणा के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी

हिसार और रोहतक जिलों के तीन अस्पतालों में ले जाने के बावजूद नहीं मिला था वेंटिलेटर

नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया है, जिसके अनुसार हरियाणा के हिसार और रोहतक के अस्पतालों में लगभग 24 घंटे तक वेंटिलेटर सपोर्ट न मिलने के कारण एक नवजात शिशु की मौत हो गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, नवजात के पिता ने अपने बच्चे के लिए वेंटिलेटर सपोर्ट जुटाने के लिए हिसार और रोहतक जिलों के एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल के चक्कर काटे, लेकिन वे सफल नहीं सके, जिसके परिणामस्वरूप शिशु की मृत्यु हो गई। आयोग ने टिप्पणी की कि समाचार रिपोर्टों की सामग्री, यदि सच है, तो ये मानवाधिकारों के उल्लंघन के गंभीर मुद्दे उठाती है। इसलिए आयोग ने हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। 3 जुलाई 2026 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस शिशु का जन्म 1 जुलाई 2026 को हिसार के सिविल अस्पताल में सीज़ेरियन ऑपरेशन के जरिये हुआ था और उसे तुरंत वेंटिलेटर सपोर्ट की आवश्यकता थी। जबकि उसकी मां सिविल अस्पताल में भर्ती रही, डॉक्टरों ने शुरूआत में नवजात शिशु को हिसार जिले के अग्रोहा स्थित मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया।

हालांकि, जब सिविल अस्पताल ने कथित तौर पर इस बात की पुष्टि की कि अग्रोहा में भी कोई वेंटिलेटर उपलब्ध नहीं है, बच्चे को रोहतक के पीजीआईएमएस रेफर कर दिया गया। पीजीआईएमएस में भी वेंटिलेटर न मिलने पर बच्चे को वापस हिसार लाया गया और एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती सोनी गुप्ता आ०/पति विशाल गुप्ता जाति निवासी सदर रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बरेजपारा, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2602/139 रकबा 0.02 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 22/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

12 लाख का रिश्वत मागने के आरोप में

एनएचएआई शिलांग के प्रोजेक्ट डायरेक्टर समेत 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली

सीबीआई ने रिश्वतखोरी के एक मामले में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के शिलांग स्थित प्रोजेक्ट डायरेक्टर सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आनंद सिंह चौहान तथा दो निजी व्यक्ति पुनीत अग्रवाल और मनीष अग्रवाल शामिल हैं। सीबीआई ने 1 जुलाई को एक शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि एनएचएआई, शिलांग के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आनंद सिंह चौहान ने शिकायतकर्ता के लगभग 13.38 करोड़ के लंबित बिल को आगे बढ़ाने और उसका निस्तारण करने के बदले 12 लाख रिश्वत की मांग की थी। जांच के दौरान आरोप सामने आया कि आरोपी अधिकारी ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की रकम में से 4 लाख अग्रिम देने के निर्देश दिए। अधिकारी ने यह राशि गुवाहाटी में एक निजी व्यक्ति को सौंपने के लिए कहा। बाद में उस व्यक्ति ने शिकायतकर्ता को यह रकम गुवाहाटी के ही एक अन्य निजी व्यक्ति को देने का निर्देश दिया। शिकायत के सत्यापन के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और गुवाहाटी में एक निजी व्यक्ति को शिकायतकर्ता से 4 लाख की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद सीबीआई ने कार्रवाई करते हुए एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आनंद सिंह चौहान तथा दोनों निजी व्यक्तियों को भी गिरफ्तार कर लिया।

एनएसयूआई में आंतरिक चुनाव कराने के लिए कांग्रेस ने केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण का गठन किया

शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के सुझावों के आधार पर एजुकेशन चार्टर बनाएगी कांग्रेस- कन्हैया कुमार

नई दिल्ली

कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने देशभर में संगठनात्मक ढांचे को लोकतांत्रिक आधार पर मजबूत करने के लिए आंतरिक चुनाव कराने की घोषणा की है। एनएसयूआई में आंतरिक चुनाव कराने के लिए कांग्रेस नेतृत्व ने केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण का गठन किया है, जिसकी देखरेख में पूरे देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित होंगे। कांग्रेस कार्यालय में एनएसयूआई प्रभारी कन्हैया कुमार और राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने बताया कि अब कॉलेज, विश्वविद्यालय से लेकर जिला और राज्य इकाइयों के अध्यक्षों एवं समितियों का चयन आंतरिक चुनाव के दो चरणों में होगा। पहले चरण में कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर अध्यक्षों और समितियों का चुनाव कराया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में जिला और राज्य इकाइयों के अध्यक्षों तथा समितियों का गठन होगा। इस दौरान केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के सदस्य किरण मुगबासाव, के.के. शास्त्री और निशांत मंडल भी मौजूद थे। सदस्यता और चुनाव लड़ने के लिए भारतीय नागरिक व भारत के संविधान में आस्था रखने वाला 16 से 27 वर्ष के बीच आयु का छात्र होना चाहिए। सदस्यता लेने के लिए छात्र के पास कॉलेज आईडी और आधार कार्ड होना अनिवार्य है। तीन साल के लिए 45 रुपये सदस्यता शुल्क तय किया गया है। यह प्रक्रिया ऑनलाइन और ऐप आधारित होगी, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। जिला व प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव लड़ने वाला व्यक्ति पहले कॉलेज या विश्वविद्यालय स्तर पर अध्यक्ष होना चाहिए।

एनएसयूआई प्रभारी कन्हैया कुमार और राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने भाजपा-आरएसएस को घेरते हुए आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था बदहाल है, शैक्षणिक संस्थाएं बर्बाद की जा रही हैं। पूरे देश में छात्रसंघ चुनाव बंद किए गए हैं, जिससे कॉलेज और विश्वविद्यालय परिसरों में भाजपा-आरएसएस के लोग अपनी तानाशाही कायम रख सकें। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को लगातार दिए जा रहे एक्सटेंशन पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि अगर कोई छात्र अपनी आवाज उठाता है, तो उसे मुकदमों की धमकी दी जाती है, जबकि विशेष विचारधारा के लोगों को शिक्षण संस्थानों में उच्च पदों पर लाया जा रहा है। इसी वजह से एनएसयूआई अब अपने संगठनात्मक चुनाव शुरू कर रही है। एनएसयूआई लोकतांत्रिक तरीके से हर कॉलेज और विश्वविद्यालय में अपनी इकाइयां बनाएगी और छात्रों को आवाज उठाने का अवसर देगी।

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास में प्रवेश आवेदन आमंत्रित

सोनभद्र। जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया ने अवगत कराया है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय अनुसूचित जाति (बालक) छात्रावास में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र छात्र निर्धारित अवधि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर छात्रावास सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी समाज कल्याण विभाग की आधिकारिक वेबसाइटँ ३३स्त्र२://४स्त्र२र्६ें२.ल्ल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ आवश्यक अभिलेख एवं प्रमाण-पत्र भी ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा। पात्रता एवं चयन शासन द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक छात्र समय रहते आवेदन कर किसी भी असुविधा से बचें

नाम परिवर्तन सूचना

मैं रंजना त्रिपाठी पति विशद पाण्डेय, उम्र लगभग 29 वर्ष, निवासी-कबीर वार्ड नंबर-44, थाना व तहसील-अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) सत्यपूर्वक शपथ लेकर निम्नलिखित कथन करती हूँ- कि मेरा वर्तमान नाम रंजना पाण्डेय है। मैं अपनी स्वेच्छा से अपना नाम कु रंजना त्रिपाठी (Km Ranjana Tripathi) रखना चाहती हूँ। आज की तिथि से मैं सभी सरकारी, अर्द्ध-सरकारी एवं निजी अभिलेखों तथा भविष्य के सभी कार्यों में कु रंजना त्रिपाठी (Km Ranjana Tripathi) नाम से जानी जाऊँगी।

रंजना पाण्डेय एवं कु रंजना त्रिपाठी एक ही व्यक्ति के नाम हैं, अर्थात दोनों नाम मेरे ही हैं। मैं यह शपथपत्र राजपत्र (Gazette) में नाम परिवर्तन प्रकाशित कराने तथा आधार, पैन कार्ड, बैंक एवं अन्य शासकीय एवं अर्ध शासकीय अभिलेखों में नाम संशोधन कराने के उद्देश्य से प्रस्तुत कर रही हूँ। कि इस शपथपत्र में वर्णित सभी तथ्य मेरे ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं तथा इनमें कुछ भी असत्य नहीं है। 10वी, 12वी के मार्कशीट में मेरा नाम km Ranjana tripathi अंकित है।

शपथ करता
कु रंजना त्रिपाठी
अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रेयांश बंसल पिता अजय बंसल, उम्र-19 वर्ष जाति अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदकगण राज कुमार, विष्णु, सुनील, संजय पिता रामनिवास, रामप्रसाद पिता चन्द्रभान सभी जाति अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड अ०पुर के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 08 मोहल्ला अग्रसेन वार्ड स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 2761/2, 2762/2 रकबा क्रमशः 871.2, 479.16 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 05.05.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा आवेदित भूखण्ड का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 22/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्तदावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 06/07/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय, अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग०
//ईस्तहार/सूचना पत्र//
राजस्व अपील प्रकरण कमांक 202505021000002/10/अ-6-अ/2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के अपील प्रकरण कमांक 202505021000002/10/अ-6-31/2024-25 में अपीलार्थी/आवेदक तेहरूननिशा पत्नी स्व० सज्जाद अंसारी एवं इमरान अंसारी आ० सज्जाद अंसारी, सभी निवासी बौरीपारा, अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा छ० ग० राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 के तहतग्राम अनावेदक मो० सलीम आ० मो० हनीफ निवासी ग्राम मायापुर अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के विरूद्ध इस न्यायालय में 44 छ0ग० भू-रा. संहिता 1959 के तहत न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के राजस्व प्रकरण क्रमांक 14/अ-6-31/2024-25 पक्षकार तेहरूननिशा वगैरह प्रति मो० सलीम ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर में पारित आदेश दिनांक 08/11/2024 के विरूद्ध अपील आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसमें अनावेदक मो० सलीम आ० मो० हनीफ निवासी ग्राम मायापुर अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० पक्षकार बनाया गया है। जिसमें इनकी उपस्थिति अनिवार्य है। उक्त अपील प्रकरण की अगामी सूनवाई तिथि दिनांक 20/07/2026 को निर्धारित की गई है। अनावेदक को इस सूचना के माध्यम से उक्त प्रकरण में स्वयं अथवा अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित हो कर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित सुनवाई तिथि के बाद इरा प्रकरण में आपकी पक्ष सुनवाई का अवसर समाप्त कर दी जावेगी। दिनांक 22/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी।

अपर कलेक्टर
अम्बिकापुर, जिला सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र० क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती बैजन्ती पटेल आ०/पति रामदेव पटेल जाति निवासी कैलाश मोड़ शीतला वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-शीतला वार्ड, शीट नम्बर 9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3389/6 रकबा 0.03 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 22/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती आभा सिंह हिशिकर आ०/पति राहुल हिशिकर जाति निवासी शीतला वार्ड अम्बिकापुर द्वारा अधिकारग्रहिता- हरि सिंह आ० स्व० रामबिहारी सिंह, निवासी पम्पापुर, तहसील दरिमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-शीतला वार्ड, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3447/2 रकबा 0.21 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 16/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 02/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/अ-20(3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सरला देवी पति स्व० रमेश कुमार सिंह, जाति क्षत्रिय, निवासी डी०सी० रोड़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-03 मोहल्ला कम्पनी बाजार, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1365/8 रकबा 0.06 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र मय मेन्टनेस खसरा की प्रति सहित पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांकः 24/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र./20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती सरला देवी आ०/पति रमेश कुमार सिंह जाति, निवासी डी०सी० रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-कम्पनी बाजार, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1365/8 रकबा 0.06 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 24/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

दो राहवीर बने जिंदगी के फरिश्ते, घायलों को पहुंचाया अस्पताल, मिले 25-25 हजार और

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। सड़क हादसे में घायलों की जान बचाने वाले जशपुर के दो नागरिकों को राहवीर के रूप में सम्मानित किया गया है। डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने प्रियांश भगत और श्रवण कुमार भगत को प्रशस्ति पत्र एवं हेलमेट देकर सम्मानित किया। केंद्र सरकार की राह वीर योजना के तहत दोनों को 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी मिली।

गोल्डन ऑवर में पहुंचाया अस्पताल

प्रियांश भगत, निवासी ओल्ड पावर हाउस, रायगढ़ रोड जशपुर ने 10 फरवरी 2026 को ग्राम आटापाठ के पास सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहीं श्रवण कुमार भगत, निवासी ग्राम बालाछापर ने 31 जनवरी 2026 को एनएच-43 पर हादसे में घायल दो व्यक्तियों को समय रहते अस्पताल पहुंचाकर जान बचाई।

क्या है राह वीर योजना

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की केंद्रीय पहल ह्यराह-वीर योजनाह्न के तहत गोल्डन ऑवर यानी दुर्घटना के बाद पहले एक घंटे में गंभीर घायल को अस्पताल या ट्रामा सेंटर पहुंचाने वाले नेक व्यक्ति को 25,000 रुपये नकद और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है।

एसएसपी ने की अपील

डीआईजी-एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। समय पर उपचार मिलने से जान बचाई जा सकती है। ऐसे सद्भावी नागरिक समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि बिना किसी भय के घायलों की मदद करें। गुड सेमेरिटन को कानून द्वारा संरक्षण प्राप्त है और शासन द्वारा सम्मानित किया जाता है।

उप पुलिस महानिरीक्षक ने किया श्रीजी परिवहन सुविधा केन्द्र का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले के नवाटोली स्थित श्रीजी परिवहन सुविधा केन्द्र का शुभारंभ 05 जुलाई को उप पुलिस महानिरीक्षक डीआईजी डॉ. लाल उमेद सिंह के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों को परिवहन विभाग द्वारा दी जा रही विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। बताया गया कि इस नवीन केन्द्र के माध्यम से ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन संबंधी सेवाओं एवं अन्य परिवहन सेवाओं का लाभ आम नागरिकों को सरल एवं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर कुल 05 पात्र आवेदकों को लर्निंग लाइसेंस एवं हेलमेट वितरित किए गए। अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने, वैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ वाहन चलाने तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी, परिवहन सुविधा केन्द्र के संचालक, जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

लोयोला कॉलेज में नवप्रवेशित छात्रों के लिए निःशुल्क स्पोकन इंग्लिश क्लास शुरू

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कुनकुरी लोयोला महाविद्यालय कुनकुरी ने वनांचल के युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की अनोखी पहल की है। नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क स्पोकन इंग्लिश क्लास का भव्य शुभारंभ किया गया। कॉलेज प्रशासन का यह कदम दूरस्थ अंचलों से आने वाले छात्र-छात्राओं को महानगरों के बराबर लाने के लिए मील का पत्थर माना जा रहा है।

पहले सेमेस्टर के छात्रों को फायदा

लक्ष्य समूह स्नातक प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशित विद्यार्थी हैं। उद्देश्य भाषाई बाधाओं को दूर कर देश-विदेश के मंचों पर सफलता दिलाना है। यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण होगा। कॉलेज हर साल नए सत्र की शुरूआत में यह पहल करता है ताकि ग्रामीण छात्रों का संकोच दूर हो।

एनईपी 2020 को धरातल पर उतारने का प्रयास

प्राचार्य डॉ. फादर तेलेस्फोर लकड़ा ने कहा, ₹नई शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है। स्पोकन इंग्लिश जैसी कौशल विकास कक्षाएं इस नीति को धरातल पर उतारने का काम कर रही हैं।₹ उपप्राचार्य फादर मार्टिन मंगल तिर्की ने कहा, ₹आज अंग्रेजी सिर्फ भाषा नहीं, करियर में ऊंची उड़ान का माध्यम है। वनांचल का कोई भी बच्चा महानगरों के बच्चों से पीछे न रहे, यही हमारा उद्देश्य है। सफलता के लिए कठोर परिश्रम, निरंतरता और सेवा की भावना जरूरी है।₹

छात्रों में दिखा उत्साह

शुभारंभ कार्यक्रम में कॉलेज के शैक्षणिक सहायक प्राध्यापक, स्टाफ और भारी संख्या में नवप्रवेशित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। पूरा परिसर नई ऊर्जा और उत्साह से सराबोर नजर आया। कॉलेज का मानना है कि इस पहल से विद्यार्थी राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा का लोहा मनवाकर राष्ट्र की सेवा में योगदान दे सकेंगे।

एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीयन नहीं तो नहीं मिलेगा योजनाओं का लाभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मछली पालन विभाग द्वारा संचालित राज्य पोषित योजनाओं एवं प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए मत्स्य कृषकों का एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य किया गया है। विभाग ने बताया कि मछली पालन से जुड़े व्यक्ति, समूह, समिति एवं अन्य हितग्राही कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से अथवा स्वयं एनएफडीपी पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। सीएससी के माध्यम से पंजीयन कराने पर निर्धारित शुल्क में से 20 रुपये सीएससी संचालक को तथा 80 रुपये हितग्राही को प्राप्त होंगे। एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीयन के लिए आधार से लिंक मोबाइल नंबर एवं बैंक खाता होना आवश्यक है। पंजीयन से संबंधित विकासखंड के मत्स्य विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है। पत्थलगांव में सहायक मत्स्य अधिकारी रविशंकर, मोबाइल 9244520073, कुनकुरी एवं दुलदुला में सहायक मत्स्य अधिकारी कु. शीला मिंज, मोबाइल 7746839457, जशपुर में सहायक मत्स्य निरीक्षक अरविंद डनसेना, मोबाइल 9887299753, मनोरा में मत्स्य निरीक्षक कु. इन्द्राणी साह मोबाइलरू 9827890842, बगीचा में मत्स्य निरीक्षक अभिनीत कुमार सिंह, मोबाइल 7999565025,

जिले में मनाया गया रोजगार दिवस, अब 300 रुपये रोज मिलेगी मजदूरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन और सीईओ जिला पंचायत अभिषेक कुमार के निर्देशन में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सचिवों, रोजगार सहायकों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

300 रुपये प्रतिदिन मजदूरी की जानकारी

रोजगार दिवस पर ग्रामीणों को विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जीआरएएमजी के तहत नवीन मजदूरी दर 300 रुपये प्रतिदिन की जानकारी दी गई। कार्य की मांग, समयबद्ध रोजगार और भुगतान प्रक्रिया समझाई गई। अधिकाधिक श्रमिकों से रोजगार कार्यों में जुड़ने का आग्रह किया गया। जल संरक्षण कार्यों पर जोर ग्राम पंचायतों में वर्षा जल संचयन और भू-जल संवर्धन के लिए तालाब निर्माण, जीर्णोद्धार, डबरी निर्माण, नाला उपचार, कंटूर ट्रेंच, सोख्ता गड्ढे और वृक्षारोपण जैसे कार्यों की जानकारी दी गई। बताया गया कि वीबी-जीआरएएमजी के तहत इन जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता से कराया जा रहा है। इससे जल उपलब्धता, कृषि उत्पादन और ग्रामीण आजीविका मजबूत होगी।

आवास दिवस में मिली तकनीकी जानकारी

आवास दिवस के दौरान पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों को आवास निर्माण की प्रगति, जियो टैगिंग, तकनीकी गुणवत्ता, किश्त भुगतान और समय-सीमा में आवास पूर्ण करने की जानकारी दी गई। अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए।

विकसित भारत पंचायत प्लान पर चर्चा

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने, एमआईएस अद्यतन, क्षमता विकास, कौशल उन्नयन, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी जानकारी दी गई। सीईओ अभिषेक कुमार ने कहा कि रोजगार दिवस का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। 300 रुपये मजदूरी दर से ग्रामीण श्रमिकों को आर्थिक संबल मिलेगा। जल संरक्षण में जनभागीदारी से भविष्य की जल सुरक्षा और सतत ग्रामीण विकास की नींव मजबूत होगी।

बिना पीओएस उर्वरक बेचने पर प्रशासन ने 79 बोरी खाद किया जब्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित कुमार व्यास के निदेर्शानुसार जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी, नकली उर्वरकों की बिक्री तथा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरक विक्रय करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। उप संचालक कृषि के मार्गदर्शन में विकासखंड बगीचा में बिना लाइसेंस उर्वरक विक्रय तथा बिना पीओएस मशीन के बिक्री किए जाने के मामले में कार्रवाई करते हुए उर्वरक जब्त कर विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है। कार्रवाई के दौरान विकासखंड बगीचा की टीम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी लालसाय केरकेट्टा, कृषि विकास अधिकारी एवं उर्वरक निरीक्षक श्रीमती क्रुसलीना मिंज तथा संबंधित ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान ग्राम सुलेसा, विकासखंड बगीचा में मनोज जायसवाल द्वारा बिना लाइसेंस उर्वरक का विक्रय किया जाना पाया गया। इस पर उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के खंड-28 के तहत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए 35 बोरी डीएपी, 10 बोरी सुपर फॉस्फेट तथा 7 बोरी यूरिया सहित कुल 52 बोरी उर्वरक जब्त किया गया एवं सुपुर्दनामा कर उनके विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है इसी प्रकार विकासखंड बगीचा के सन्ना स्थित किसान कृषि केंद्र में बिना पीओएस मशीन के उर्वरक विक्रय किया जाना पाया गया। इस पर 27 बोरी डीएपी उर्वरक जब्त कर उसके विक्रय पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि प्रकरणों की विस्तृत जांच के बाद संबंधित दोषियों के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी भी दर्ज कराई जाएगी। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी, नकली उर्वरकों की बिक्री तथा अधिक मूल्य पर विक्रय की रोकथाम के लिए जिला स्तरीय टीम द्वारा सभी विकासखंडों में लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उर्वरक अधिनियम एवं संबंधित नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यापारी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

104 विवेचकों को मिले स्मार्ट मोबाइल, फोटो-वीडियो ई-साक्ष्य से होगी वैज्ञानिक जांच

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। पुलिस की विवछत्तीसगढ़ फ्रंटलाइनेचना प्रणाली अब हाईटेक हो गई है। पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा एएसयूएमपी योजना 2025-26 (आधुनिक/विशेष योजना) के तहत जशपुर जिले के 104 विवेचकों को सैमसंग कंपनी के स्मार्ट मोबाइल उपलब्ध कराए गए हैं। 06 जुलाई को पुलिस कार्यालय जशपुर के सभाकक्ष में डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने विवेचकों को मोबाइल वितरित किए।

एसपी डॉ. सिंह ने कहा कि आधुनिक तकनीक से विवेचना की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। इन स्मार्ट मोबाइलों से विवेचक घटनास्थल का फोटो-वीडियो दस्तावेजीकरण, ई-साक्ष्य संकलन, गवाहों के बयान का डिजिटल रिकॉर्ड, जब्ती की प्रक्रिया का फोटो-वीडियो रिकॉर्ड तथा अन्य डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित तरीके से संकलित कर सकेंगे। डीआईजी-एसएसपी ने बताया कि वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों पर आधारित विवेचना न्यायिक प्रक्रिया को सशक्त बनाएगी। डिजिटल साक्ष्यों के माध्यम से आरोपियों के विरुद्ध मजबूत प्रमाण प्रस्तुत किए जा सकेंगे, जिससे न्यायालय में अपराध सिद्ध करने और दोषियों को दंड दिलाने में मदद मिलेगी। इससे पीड़ितों को त्वरित एवं प्रभावी न्याय मिलेगा।

तकनीक-आधारित पुलिसिंग की पहल

यह पहल पुलिस की तकनीक-आधारित, पारदर्शी एवं प्रभावी विवेचना व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे अपराध अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ेगी। कार्यक्रम में एएसपी राकेश कुमार पाटनवार, एसडीओपी दिलीप कुमार कोसले, एसडीओपी ध्रुवेश कुमार जायसवाल तथा डीएसपी

डीआईजी-एसएसपी ने ली समीक्षा बैठक, लंबित केस निपटाने और साइबर ठगी रोकने के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। पुलिस कार्यालय स्थित सभाकक्ष में डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने अपराध समीक्षा बैठक ली। अनुविभागवार आयोजित बैठक में सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना-चौकी प्रभारी, प्रशिक्षु उप निरीक्षक और शाखा प्रभारी मौजूद रहे। लंबित अपराध, चालान, मर्ग, शिकायतों की बिंदुवार समीक्षा कर तत्काल निराकरण के निर्देश दिए गए।

विवेचकों को चेतावनी, अच्छा काम पर इनाम

एसएसपी डॉ. सिंह ने कहा कि प्रकरणों की विवेचना का समय निर्धारित कर दिया गया है। निर्धारित अवधि में पेंडिंग मामलों की जांच पूर्ण करें। राजपत्रित अधिकारी रोजाना मॉनिटरिंग करेंगे। तेजी से निराकरण करने वाले थाना-चौकी प्रभारियों को पुरस्कृत किया जाएगा, जबकि कोताही बरतने वाले विवेचकों पर विभागीय कार्रवाई होगी।

साइबर ठगी और तस्करी पर विशेष फोकस

ऑनलाइन ठगी के मामलों में सायबर सेल के सहयोग से तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सायबर टीप लाइन, पोर्टल प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने को कहा। गौ-तस्करी, नशीले पदार्थ, अवैध शराब, गांजा तस्करी, जुआ-सट्टा पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। फरारी काट रहे अपराधियों की धरपकड़ तेज करने को कहा।

यातायात नियमों में सख्ती

थाना-चौकी प्रभारी को बैरिकेड लगाकर वाहनों की सघन चेकिंग के निर्देश दिए गए। बिना हेलमेट दोपहिया वाहन, तीन सवारी, नाबालिग द्वारा वाहन चलाना, सीट बेल्ट, मोबाइल उपयोग और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त वैधानिक कार्रवाई होगी। एक्सीडेंट से मौतें कम करना जशपुर पुलिस का लक्ष्य है।

पुलिस मितान से बढ़ाएं समन्वय

डीआईजी-एसएसपी ने कहा कि पुलिस मितान सामुदायिक पुलिसिंग की महत्वपूर्ण पहल है। थाना-चौकी प्रभारी नियमित बैठक कर मार्गदर्शन दें। कानून-व्यवस्था, यातायात सुरक्षा, साइबर अपराध, नशा मुक्ति, महिला-बाल सुरक्षा में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करें। पुलिस मितान से मिली सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करें।

शिकायतकर्ता निराश न लौटे

एसएसपी ने निर्देश दिया कि थाना-चौकी से कोई भी शिकायतकर्ता निराश होकर न लौटे। शालीन व्यवहार और निष्पक्ष जांच हो। निगरानी बदमाश, गुंडा बदमाश की नियमित चेकिंग करें। शाम को प्रभारी स्वयं विजिबल पुलिसिंग के लिए निकलें। ग्रामों की सुरक्षा के लिए प्रभारी अधिकारी को दायित्व दिया जाए। बैठक में एएसपी राकेश कुमार पाटनवार, एसडीओपी ध्रुवेश कुमार जायसवाल, एसडीओपी दिलीप कुमार कोसले, डीएसपी भावेश कुमार समरथ, रीडर मुकेश झा सहित सभी अधिकारी मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा में नकल रोकने कलेक्टर ने गठित किए 8 उड़नदस्ता दल

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा 2026 के सुव्यवस्थित संचालन एवं परीक्षा केन्द्रों में नकल रोकने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रोहित व्यास ने जिले में 8 उड़नदस्ता दल गठित किए हैं। परीक्षा 08 जुलाई से 22 जुलाई तक प्रातः 9.00 बजे से 12.15 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रत्येक तहसील के लिए एक-एक उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है। जारी आदेश के अनुसार जशपुर दल के प्रभारी विश्वास राव मस्के अनुविभागीय अधिकारी (रा.), मनोरा के प्रभारी सुश्री नीतू भगत तहसीलदार, दुलदुला के प्रभारी राहुल कौशिक तहसीलदार, कुनकुरी के प्रभारी नन्दजी पाण्डेय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), फरसाबहार के प्रभारी

डीपीआरओ ने समर्थ केंद्र के बच्चों संग मनाया बेटे का जन्मदिन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना न्योता भोजन के तहत 6 जुलाई को समर्थ आवासीय दिव्यांग प्रशिक्षण केन्द्र जशपुर में जिला जनसंपर्क अधिकारी नूतन सिदार ने अपने बेटे प्रखर कुमार के जन्म दिवस के अवसर पर दिव्यांग स्कूल में न्योता भोजन का आयोजन किया गया और बच्चों को खेल सामग्री, कापी, कंपास बाक्स बच्चों को भेंट किया गया। बच्चों ने उत्साह से न्योता भोजन का आनंद लिया। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के उप संचालक धर्मेन्द्र कुमार साहू, वरिष्ठ प्रबंधक श्रवण कुमार भगत, समाज कल्याण विभाग के सहायक अधीक्षक वेद प्रकाश, कुलदीप और शिक्षक शिक्षिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि न्योता भोजन की अवधारणा एक सामुदायिक भागीदारी पर आधारित है। यह विभिन्न त्योहारों या अवसरों जन्मदिन, वर्षगांठ और राष्ट्रीय पर्व पर स्कूलों आश्रम छात्रावास के बच्चों के लिए न्योता भोजन करवाया जा सकता है।

कीचड़ से लबरेज सड़क पर गिरते संभलते स्कूल पहुंच रहे मासूम

कागजों तक सिमटे विकास के दावे, व्यवस्था पर सवाल बनी बेकोना की सड़क

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एक ओर सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं जिले के प्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम बेकोना की तस्वीर इन दावों की हकीकत बयां कर रही है। यहां स्कूल जाने वाले मासूम बच्चे रोजाना कीचड़ और गहरे गड्ढों से भरी सड़क पर जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंचने को मजबूर हैं। बारिश के बीच इस बदहाल सड़क का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद अब जिम्मेदार विभाग और प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

वायरल वीडियो ने खोली सिस्टम की पोल

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की हालत वर्षों से खराब है। बारिश शुरू होते ही पूरी सड़क दलदल में तब्दील हो जाती है। कई जगह पानी भर जाने से यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि सड़क कहां है और गड्ढा कहां। ऐसे में छोटे-छोटे बच्चे फिसलते हुए, कपड़े और जूते

कीचड़ में सने हुए किसी तरह स्कूल पहुंचते हैं। कई बार बच्चे गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण और मरम्मत के लिए कई बार जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग को शिकायत दी गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला। धरातल पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। वायरल वीडियो ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर विकास के नाम पर खर्च होने वाली करोड़ों की राशि का लाभ गांवों तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केवल सड़क की समस्या नहीं, बल्कि बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। जब स्कूल जाने का रास्ता ही सुरक्षित नहीं होगा तो शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों की नियमित उपस्थिति पर भी सीधा असर पड़ेगा।

सरकार की मंशा गांवों तक विकास पहुंचाने की है, लेकिन कई स्थानों पर सबंधित जिम्मेदारों की लापरवाही से योजनाओं का अपेक्षित लाभ लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा। यदि समय पर सड़क की मरम्मत कराई जाती तो बच्चों और ग्रामीणों को इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

ग्रामीण मांग कर रहे हैं कि बेकोना गांव की सड़क का तत्काल निरीक्षण कराकर स्थायी मरम्मत कराई जाए, ताकि स्कूली बच्चों और ग्रामीणों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। क्या वायरल वीडियो के बाद जिम्मेदार अधिकारी जागेंगे, या फिर बेकोना के मासूम बच्चे यूं ही हर बारिश में कीचड़ से जंग लड़ते रहेंगे। यह केवल एक गांव की सड़क का मामला नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास के दावों की जमीनी हकीकत का आईना भी है।

कलेक्टर ने रामेश्वरनगर में किया समूह जल प्रदाय योजना का निरीक्षण

अभियंताओं को दिए कार्य शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील द्वारा जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत स्वीकृत रामानुजनगर - प्रेमनगर-नवगई समूह जल प्रदाय योजना के प्रगतिरत कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने योजना अंतर्गत स्वीकृत समस्त अवयवों की बारीकी से समीक्षा करते हुए कार्यों को शीघ्र अतिशीघ्र पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में कलेक्टर श्रीमती जमील ने विकासखण्ड प्रेमनगर के ग्राम रामेश्वरनगर में बांगो बांध के टेल इंड में निर्माणाधीन फ्लोटिंग पोन्टून के कार्यों का अवलोकन किया। इसके पश्चात ग्राम महेशपुर में निर्माणाधीन 20.00 एम.एल.डी. क्षमता के जल शोधन संयंत्र के प्रगतिरत कार्यों का भी निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपस्थित संबंधित अभियंताओं से अब तक पूर्ण किये गए कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली एवं यह भी जाना कि योजना को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए किन-किन विभागों के साथ समन्वय की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य में गति लाने तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पीएचई के कार्यपालन अभियंता एवं संबंधित ठेकेदार को योजना के समस्त कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, अनुविभागीय अधिकारी रामानुजनगर, कार्यपालन अभियंता खंड सूरजपुर, सहायक अभियंता उपखण्ड सूरजपुर, उप अभियंता विकासखण्ड प्रेमनगर सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एसोसिएशन की जिला बैठक में विभिन्न विषयों पर बनी रणनीति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन की जिलास्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व सेवा गणना, टेट की अनिवार्यता, क्रमोन्नति समयमान के विकल्प चयन, लंबित पदोन्नति, वीएसके ऐप में उपस्थिति सहित अन्य विषयों पर रणनीति बना कर प्रांतीय निर्देश पर कार्य करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री रंजय सिंह जिलाध्यक्ष भूपेश सिंह ने बताया कि पूर्व सेवा गणना को लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक टीचर्स एसोसिएशन एलबी संवर्ग की प्रमुख मांग को लेकर संघर्ष करेंगे साथ ही विभागीय टेट परीक्षा आयोजित कर प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में अध्यापनरत शिक्षकों के साथ न्याय करने की मांग कर

आवश्यक रणनीति बनाएंगे, क्रमोन्नति समयमान विकल्प चयन पर चर्चा के साथ इंटरनेट विहीन क्षेत्रों में वीएसके ऐप में उपस्थिति की जटिलता पर चिंता जाहिर कर समुचित उपाय करने की मांग रखने का निर्णय लिया गया। ग्रीष्मकालीन अवकाश में शिक्षकों को मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश के विरुद्ध सभी को अर्जित अवकाश प्रदान करने की मांग प्रांत स्तर से रखने ,प्रधान पाठक प्राथमिक शाला, शिक्षक, प्रधान पाठक माध्यमिक शाला, व्याख्याता, प्राचार्य के रिक्त पदों पर समय सारणी बनाकर पदोन्नति प्रदान करने की मांग पर चर्चा किया गया। लंबित एनपीएस की राशि गणना कर खाता में जल्द अंतरण करने सभी विकास खण्ड में शिक्षा अधिकारी से चर्चा करने सहित स्थानीय अन्य समस्याओं पर विस्तार से चर्चा किया गया एवं प्रांतीय निर्देश पर सभी कार्य को प्रमुखता से करने का निर्णय लिया गया। उस दौरान बड़ी संख्या में एशोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

सर्पदंश से महिला की मौत, स्वास्थ्य व्यवस्था और बिजली संकट पर उठे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। क्षेत्र के ग्राम कोल्हुआ में सर्पदंश से एक महिला की मौत हो गई है। घटना ने ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था और बिजली आपूर्ति की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया गया है कि महिला तारामती पंडो पति रामचंद्र पंडो रात में घर में जमीन पर सो रही थीं, तभी जहरीले सांप ने उन्हें डस लिया। समय पर समुचित उपचार नहीं मिलने से उनकी मौत हो गई। बरसात के मौसम में क्षेत्र में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर में हर वर्ष बड़ी संख्या में सर्पदंश के मरीज पहुंचते हैं, जबकि इस वर्ष भी कई मामले सामने आ चुके हैं। इसके बावजूद महुली उप स्वास्थ्य केंद्र में आपातकालीन उपचार की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।ग्रामीणों का आरोप है कि उप स्वास्थ्य केंद्र महुली में स्थायी डॉक्टर की पदस्थापना नहीं है। वहीं एंटी-स्नेक वेनम, ऑक्सीजन, आवश्यक इंजेक्शन और सलाइन जैसी जीवनरक्षक सुविधाओं का भी अभाव है। फिलहाल एक नर्स के भरोसे संचालित हो रहा है और गंभीर मरीजों को बिहारपुर, ओड़गी या जिला अस्पताल रेफर करना पड़ रहा है। क्षेत्र में नियमित बिजली आपूर्ति नहीं होने से भी ग्रामीणों की परेशानी बढ़ी हुई है। कोल्हुआ सहित आसपास के कई गांवों में रात के समय अंधेरा रहने के कारण जहरीले सांपों और अन्य जंगली जीवों का खतरा बना रहता है। अधिकांश परिवार आज भी लालटेन, ढिबरी की रोशनी पर निर्भर हैं।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से महुली में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शीघ्र प्रारंभ करने, स्थायी चिकित्सकों की नियुक्ति, सर्पदंश उपचार की सभी आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, नियमित बिजली आपूर्ति तथा बरसात के मौसम में विशेष जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है।

सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त हुए कलेक्टर-एसपी

अतिक्रमण और यातायात नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई, नियमों प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात प्रबंधन तथा सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-343 पर बने गड्ढों की मरम्मत कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग कर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने को कहा। उन्होंने मालवाहक वाहनों में यात्रियों के अवैध परिवहन पर

विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा आवश्यकतानुसार वाहन चालकों के लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई भी करें।

उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्कूल वाहनों की फिटनेस, सुरक्षा मानकों एवं आवश्यक दस्तावेजों की नियमित जांच कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्कूलों एवं महाविद्यालयों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान संचालित कर विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने तथा मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट एवं दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुधार कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।

पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने सड़क किनारे अतिक्रमण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि अवैध कब्जों एवं अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित होने के साथ दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है। उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर सड़क सुरक्षा में बाधक अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर सड़क किनारे अनियंत्रित रूप से वाहन खड़े करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही दुर्घटना संभावित स्थलों पर स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर एवं अन्य आवश्यक सड़क सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने तथा मार्गों के किनारे पेड़ों की नियमित छंटाई कराने के निर्देश दिए, ताकि सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक वाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री आर.एन. पाण्डेय, श्री प्रमोद गुप्ता, श्री अभिषेक गुप्ता सहित सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई जिला सरगुजा

दावा-आपत्ति

1. बच्चे का नाम – राधिका
2. बच्चे का प्राप्ति दिनांक – 28.06.2026
3. संस्था– सेवा भारती "मातृछाया" विशेषिकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी अम्बिकापुर जिलाः सरगुजा (छ०ग०)
4. शारीरिक बनावट एवं रंग– सांवला
5. उम/जन्मतिथि – 25.06.2026

उक्त बालिका को अस्थाई सरक्षण हेतु सेवा भारती "मातृछाया" विशेषिकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी अम्बिकापुर में रखा गया है।

सर्व संबंधित को जो कि बालिका के वैधानिक पालक/अभिभावक होने का दावा आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं, प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला–सरगुजा अथवा विशेषिकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी सेवा भारती "मातृछाया" अम्बिकापुर जिला–सरग. जा (छ०ग०) में दर्ज करा सकते है। उक्त समयावधि के पश्चात् प्राप्त–दावा आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा तथा दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जावेगी।

यह विज्ञापन मेरे द्वारा जारी किया गया।

दूरभाष क्र. – 8319227014

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
जिला सूरजपुर (छ0ग0)

जी-262701951/2

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

अनुलग्न-अ

कार्य विवरणः पांच (05) वर्षों की अवधि के लिए अम्बिकापुर (ABKP) रेलवे स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्मों और स्टेशन परिसर के भीतर उपयुक्त स्थानों पर साइनबोर्ड, पिलर कियोस्क, ग्लो साइनबोर्ड/ बैकलिट, हैंगिंग स्टेटिक बोर्ड के रूप में वाणिज्यिक विज्ञापन (गैर- डिजिटल) प्रदर्शित करने का लाइसेंस, जिसका कुल प्रदर्शन क्षेत्र 210 वर्ग फुट है, लाइसेंसधारक के खर्च का लाइसेंस आबंटन हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही दिनांक **02.07.2026** को आईआरईपीएस वेबसाइट (**https://ireps.gov.in**) पर प्रकाशित किया जा चुका है । विवरण इस प्रकार हैं:-

कैटेलॉग क्र.	श्रेणी	नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
ADVT-ABKP-OSN	Advertising-On Station Premises (Non-Digital)	22.07.2026 13.00	ADVT-BSP-ABKP-OSN-134-26-1	**अम्बिकापुर (ABKP)** रेलवे स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्मों और स्टेशन परिसर के भीतर उपयुक्त स्थानों पर साइनबोर्ड, पिलर कियोस्क, ग्लो साइनबोर्ड/ बैकलिट, हैंगिंग स्टेटिक बोर्ड के रूप में वाणिज्यिक विज्ञापन (गैर- डिजिटल) प्रदर्शित करने का लाइसेंस, जिसका कुल प्रदर्शन क्षेत्र 210 वर्ग फुट है, लाइसेंस धारक के खर्च का लाइसेंस।	1826 दिन

सहायक वाणिज्य प्रबंधक (Chg.)
द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर

सीपीआर/10/265

दवना आवास चौपाल में हितग्राहियों को शीघ्र आवास पूर्ण करने किया गया प्रेरित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में जनपद

पंचायत ओड़गी के ग्राम दवना में आवास चौपाल का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्य में गति लाना तथा हितग्राहियों को शीघ्र आवास पूर्ण करने हेतु प्रेरित करना रहा। चौपाल के दौरान जनपद सीईओ, आवास समन्वयक सुजीत कुमार एवं टीम द्वारा आवास निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने हितग्राहियों से प्रत्यक्ष संवाद कर प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया तथा निर्माण कार्य में आने वाली समस्याओं की जानकारी लेकर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस अवसर पर अधिकारियों ने हितग्राहियों से शासन की योजनाओं का समयबद्ध लाभ लेने का आग्रह करते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र आवास निर्माण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि योजना का वास्तविक लाभ तभी सार्थक होगा, जब प्रत्येक पात्र हितग्राही निर्धारित समय-सीमा में अपने पक्के आवास का निर्माण पूर्ण कर लेगा। अधिकारियों ने हितग्राहियों को भरोसा दिलाया कि निर्माण में आने वाली किसी भी कठिनाई का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

मेहनत की फसल को सुरक्षित रखने किसान समय पर कराएं बीमा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। किसानों की मेहनत और उनकी फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में खरीफ मौसम 2026 के लिए जिलेभर में योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा कराकर शासन की इस महत्वाकांक्षी किसान हितैषी योजना का लाभ उठाएं तथा प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान से स्वयं को सुरक्षित करें।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जिले में खरीफ मौसम 2026 के लिए उड़द, मूंग, मूंगफली, कोदो, कुटकी, मक्का, धान (सिंचित एवं असिंचित), अरहर (तुअर) तथा रागी फसलों को अधिसूचित किया गया है। अधिसूचित क्षेत्र में इन फसलों की खेती करने वाले सभी पात्र किसान योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

किसान अपने निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिला सहकारी बैंक, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति अथवा कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं। योजना के अंतर्गत किसानों को अत्यंत कम प्रीमियम दर पर व्यापक बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराई जाती है, जिससे प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में उन्हें आर्थिक सहायता मिल सके। योजना के तहत स्थानीय प्राकृतिक आपदाओं, प्रतिकूल मौसम, सूखा, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि सहित फसल कटाई उपरांत होने वाली क्षति को भी शामिल किया गया है।

गैर-ऋणी किसानों को आवेदन के साथ आधार कार्ड, भूमि संबंधी दस्तावेज, बैंक पासबुक की प्रति, फसल बोआई प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। वहीं ऋणी किसानों के लिए योजना के निर्धारित प्रावधान लागू रहेंगे। किसानों की सुविधा एवं शिकायतों के निराकरण के लिए टोल फ्री नंबर 14447 भी जारी किया गया है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय रहते अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा अवश्य कराएं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-134-26-27, दिनांकः 03.07.2026.
कार्यः बिलासपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता उमरिया के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बड़े और छोटे पुलों के अप्रोच पर ऊंचे किनारों को काटना और चौड़ा करना, सेस (cess) में सुधार, ट्रॉली रिफ्यूज और अन्य सुरक्षा कार्य का प्रावधान। **निविदा मूल्यः** ₹5,13,31,095/- **अमानत राशिः** ₹10,26,600/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

क्र.संख्या (2) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-135-26-27, दिनांकः 03.07.2026.
कार्यः बिलासपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता शहडोल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बड़े और छोटे पुलों के अप्रोच पर ऊंचे किनारों को काटना और चौड़ा करना, सेस (cess) में सुधार, ट्रॉली रिफ्यूज और अन्य सुरक्षा कार्य का प्रावधान। **निविदा मूल्यः** ₹5,73,92,583/- **अमानत राशिः** ₹11,47,900/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

क्र.संख्या (3) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-136-26-27, दिनांकः 03.07.2026.
कार्यः बिलासपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता मनेन्द्रगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मौहरी, कोतमा, उदलकछार, अंबिकापुर, विश्रामपुर, सूरजपुर रोड और दर्रीटोला रेलवे स्टेशनों पर ट्रैक मशीन स्टेबलिंग साइडिंग का निर्माण जिसमें पी. वे का काम, पाथवे, सड़कें, आर.सी.सी. टैंक, इमारतें, डेड एंड, पुलों का विस्तार और अन्य विविध कार्य शामिल हैं। **निविदा मूल्यः** ₹9,64,77,198/- **अमानत राशिः** ₹19,29,600/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

क्र.संख्या (4) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-137-26-27, दिनांकः 03.07.2026.
कार्यः बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता (उत्तर) के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लोरहा, रूपौंड, अमलाई, मौहरी और बिजुरी स्टेशनों पर लॉन्ग हॉल लूप लाइनों का निर्माण, इसमें मौजूदा लूप लाइनों का विस्तार और नई रेलवे लाइनों का निर्माण शामिल है, साथ ही, लॉन्ग हॉल, फॉर्मेशन मालगाड़ी पार्किंग ऑपरेशन के लिए मेन लाइन से कनेक्टिविटी, रास्ते (पाथवे) बनाना और अन्य संबंधित सिविल व पी.वे (P. Way) कार्य, तथा अमलाई स्टेशन पर ट्रैक मशीन साइडिंग का निर्माण कार्य भी शामिल है। **निविदा मूल्यः** ₹42,82,21,585/- **अमानत राशिः** ₹85,64,400/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 18 माह।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः 14.07.2026 के 11.00 बजे से। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 28.07.2026 के 11.00** बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/ बिलासपुर

सीपीआर/10/पीएच/268

South East Central Railway @secrail

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

सांसद ने दिशा समिति की बैठक में शासकीय योजनाओं एवं क्रियान्वयन पर की विभागवार चर्चा

कहा-खाद विक्रय केंद्रों की लगातार जांच कर आवश्यक कार्रवाई करें

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज की अध्यक्षता में बुधवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत सदस्य विजय अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, डीएफओ अभिषेक जोगावत, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, जनप्रतिनिधिगण, सहित समिति के सदस्य एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में सांसद चिंतामणि ने विभिन्न एजेंडे पर विभागवार जानकारी लेकर योजनाओं एवं कार्यक्रमों पर विस्तारपूर्वक समीक्षा की। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा दौरान स्वीकृत आवासों पर अप्रारंभ एवं निर्माणाधीन आवास की जानकारी ली गई। उन्होंने स्वीकृत आवास में हितग्राहियों को आवास पूर्ण करने पर होने वाली समस्याओं को दूर करने के निर्देश दिए तथा निर्माण कार्य में तेजी लाने कहा। उन्होंने अधिकारियों को फिल्ड में जाकर लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद-बीज की उपलब्धता, भंडारण एवं वितरण की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी ली तथा अधिकारियों को किसानों को पर्याप्त मात्रा में समय पर खाद-बीज उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने उर्वरकों की कालाबाजारी पर विशेष निगरानी रखने तथा खाद विक्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने कहा। इस दौरान जिले में सड़कों की स्थिति की जानकारी ली गई, आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्यों को शीघ्र पूरा करने कहा, ताकि आमजनों को आवागमन में असुविधा ना हो। महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी से आंगनबाड़ी केंद्र भवन की स्थिति, केंद्रों में कार्यरत सहायिकाओं की उपलब्धता एवं भर्ती, जिले में कुपोषण की स्थिति सहित अन्य विषयों की जानकारी ली गई। राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि आमजनों की समस्या का त्वरित निराकरण हो। सभी प्रकरण को गुणवत्तापूर्ण समय सीमा में निराकरण करें। फौती नामांतरण से संबंधित लंबित शिकायतों एवं प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करें। बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत कार्यों एवं प्रगति की जानकारी ली गई। पीएम जनमन योजनांतर्गत गतिविधियों के सेचुरेशन पर विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी को विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम-जी के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस दौरान अन्य विभागों के अधिकारियों से विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली गई।

बिजली केबल गुणवत्तापूर्ण हों

अंबिकापुर शहर में बिजली आपूर्ति की समीक्षा करते हुए कहा कि बिजली कटौती की समस्या संज्ञान में आ रही है। इसके लिए नगर निगम एवं विद्युत विभाग आवश्यक कार्रवाई करें, आमजनों को समस्या ना हो। उन्होंने कहा कि बिजली केबल गुणवत्तापूर्ण हों। उन्होंने नेटवर्क विहीन क्षेत्रों की जानकारी ली तथा बीएसएनएल के अधिकारी को सर्वे कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

शिक्षा के साथ बच्चों को मिले संस्कार

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान सांसद ने कहा शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को संस्कार एवं व्यवहारिक ज्ञान भी प्रदान किया जाए। कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान दें, समय सीमा तय कर उनकी प्रगति की लगातार मॉनिटरिंग करें। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देते हुए अभी से बेहतर कार्ययोजना तैयार करने कहा, ताकि जिले में परीक्षा परिणाम में सुधार हो। उन्होंने जिले में भवनविहीन विद्यालयों, जर्जर विद्यालयों, विद्यालयों में शौचालय एवं पेयजल आदि की उपलब्धता की जानकारी ली गई। एकल शिक्षकीय विद्यालयों में अतिरिक्त शिक्षकों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

आयुष्मान कार्ड से इलाज की करें मॉनिटरिंग

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा दौरान मौसमी बिमारी एवं वेक्टर जनित रोग नियंत्रण की आवश्यक तैयारी की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा लोगों को जागरूक करें, वेक्टर जनित बीमारियों के लक्षण एवं बचाव के तरीके भी बताए जाएं। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्रों में स्टाफ की उपलब्धता एवं उपस्थिति की जानकारी ली तथा अनुपस्थित रहने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। प्राइवेट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड से इलाज में समस्या ना आए, इसकी मॉनिटरिंग करने कहा।

विकास में जनप्रतिनिधियों की भी भागीदार हो

सांसद चिंतामणि महाराज ने सभी विभागीय अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। सांसद ने कहा कि शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हो, सभी लक्ष्य समय सीमा में पूर्ण कर लिए जाएं। जिले के दूरस्थ अंचल तक लोगों को योजनाओं का लाभ मिले। क्षेत्र के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों की भी भागीदार जरूरी है। जनप्रतिनिधि दौरे के दौरान योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाएं। जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य कर पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

किराए के मकानों में घुसपैठियों के ठिकाना बनाकर रहने की जताई आशंका

संदिग्धों की पहचान के लिये पार्षद आलोक दुबे ने आईजी को लिखा पत्र

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर में बाहरी प्रांतों से आकर किराए पर रह रहे संदिग्ध लोगों की पहचान और सत्यापन को लेकर वरिष्ठ पार्षद आलोक दुबे ने पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा को पत्र लिखा है। उन्होंने थाना गांधीनगर, कोतवाली और मणिपुर थाना क्षेत्रों में किराएदारों के फिजिकल वेरिफिकेशन की मांग की है।

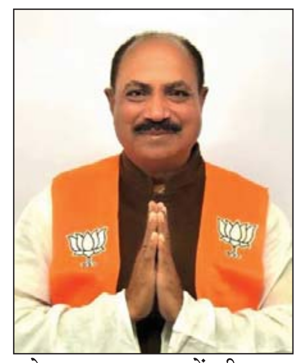

आईजी के नाम पत्र में उन्होंने उल्लेखित किया है कि, गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाषनगर, डिगमा और भगवानपुर में कुछ लोग छोटे-छोटे मकान बनाकर बाहरी प्रांतों से आए लोगों को बिना जांच-पड़ताल के कम किराए के मकानों में रख हैं। मकान मालिकों को यह पता नहीं है कि किराएदार क्या काम करते हैं, वे सिर्फ हर महीने किराया लेते हैं। आलोक दुबे ने कहा है कि, कोतवाली क्षेत्र के मोमिनपुरा, नवापारा, श्रीगढ़, बरेजपारा, रसूलपुर में भी बाहर से आए, मुसलमान किराये पर रह रहे हैं। इनमें से कुछ लोग ब्राउन शुगर, कोरेक्स, देह व्यापार जैसा अवैध धंधे में लिप्त हो सकते हैं। पत्र में उल्लेख है कि धनबाद, झारखंड का साबिर दो लोगों की हत्या का सजायाफ्ता मुजरिम होने के बाद भी अंबिकापुर में 13 वर्षो से रहकर अपना व्यवसाय कर रहा था। इसी तरह उन्होंने आशंका जताई कि पश्चिम बंगाल में नई सरकार बनने के बाद कई संदिग्ध, जो बांग्लादेशी मुसलमान भी हो सकते हैं, गांधीनगर थाना क्षेत्र में ठिकाना बनाए हैं। पत्र में लिखा गया है कि, ये लोग कुछ जगहों पर बाल खरीदने और उसके बदले में छोटे-छोटे बर्तन बेचने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि अगर समय रहते इन बाहरी लोगों की जांच नहीं हुई तो सरगुजा में अपराध और फिरौती जैसी घटनाएं बढ़ सकती हैं।

पुलिस से की ये मांग

आलोक दुबे ने आईजी से मांग की है कि, सभी थानों की टीम बनाकर बाहरी किराएदारों की फिजिकल जांच की जाए। ये कहां से आए, कितना किराया दे रहे हैं, क्या काम करते हैं और उनके खिलाफ गृहक्षेत्र के थाने में रिकॉर्ड है या नहीं, इसकी पड़ताल हो। खासकर कोतवाली और गांधी नगर क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे किराएदारों पर कड़ी नजर रखी जाए। पत्र की प्रतिलिपि डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल और नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल को भी भेजी गई है।

जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर अवैध वसूली का आरोप, ऑडियो वायरल

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जनपद पंचायत बलरामपुर के ग्राम पंचायत भेलवाड़ीह के सचिव विष्णु पद मंडल का एक कथित ऑडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ऑडियो में जन्म प्रमाण पत्र को ऑफलाइन से ऑनलाइन करने के नाम पर पैसे मांगने की कथित बातचीत में सचिव कहते सुनाई दे रहे हैं कि जिला में डेढ़ सौ से दो सौ रुपये देना पड़ता है, नहीं तो चक्कर काटते रहना पड़ेगा।

वायरल ऑडियो की पुष्टि के लिए जब भेलवाड़ीह निवासी अजय गुप्ता से बातचीत की गई, तो उन्होंने बताया कि उनकी बेटी का जन्म प्रमाण पत्र ऑफलाइन था। आधार कार्ड बनवाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र ऑनलाइन कराना आवश्यक था। जब वे पंचायत सचिव के पास पहुंचे तो पहले रोजगार सहायक से रजिस्टर में एंट्री कराने कहा गया। एंट्री के बाद भी उन्हें 3-4 दिनों तक लगातार पंचायत और सचिव के घर के चक्कर कटवाया गया, लेकिन उनका काम नहीं हुआ। आरोप है कि लगातार परेशान होने के बाद उन्होंने सचिव के साथ हुई बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग कर सोशल मीडिया पर वायरल किया है। उनका कहना है कि आज तक उनकी बेटी का जन्म प्रमाण पत्र ऑनलाइन नहीं हुआ है और वे जनपद पंचायत से लेकर ग्राम पंचायत तक भटक रहे हैं। अजय कुमार गुप्ता ने यह भी आरोप लगाया कि उनके गांव में ऐसे कई मामले हैं, जिनमें जन्म प्रमाण पत्र ऑनलाइन करने के नाम पर लोगों को घुमाया जा रहा है और पैसे मांगे जा रहे हैं। वायरल ऑडियो में कथित तौर पर दान-दक्षिणा की बात भी सुनाई दे रही है, जिससे पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है। सूत्रों का यह भी दावा है कि संबंधित सचिव स्थानीय राजनीतिक हलकों में प्रभावशाली माने जाते हैं।

ऑडिटोरियम का सरकारी संस्थाओं को 11 हजार एवं अशासकीय संस्थानों को देना होगा 15 हजार

पीजी कॉलेज के विकास के लिए जन भागीदारी समिति की बैठक में कई निर्णय लिए गए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महाविद्यालय के समग्र विकास में शासन, समाज, अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों तथा शिक्षाविदों की सहभागिता सुनिश्चित करने वाली जनभागीदारी समिति ने महाविद्यालय को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और समाजोन्मुख बनाने के लिये कई निर्णय लिये। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता व कलेक्टर के प्रतिनिधि तहसीलदार सहित अन्य की मौजूदगी में हुई बैठक में सर्वसम्मति से महाविद्यालय के ऑडिटोरियम को किसी आयोजन के लिये देने की स्थिति में शासकीय संस्थाओं से 11000 एवं गैर शासकीय संस्थाओं से 15000 रुपये लेने का निर्णय लिया गया, ताकि ऑडिटोरियम का समय-समय पर बेहतर प्रबंधन किया जा सके। इसी तरह महाविद्यालय के मैदान का दुरुपयोग रोकने एवं मेंटेनेंस के लिए, संपूर्ण मैदान हेतु 25000 रुपये शुल्क एक दिवस का निर्धारित करते हुये इसकी स्वीकृति प्रदान की गई।

इसी क्रम में भवन निर्माण, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, खेल एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिये वित्तीय संसाधनों का सृजन, शैक्षणिक गुणवत्ता, छात्र हितों के संरक्षण तहत विद्यार्थियों की आवश्यकताओं, समस्याओं एवं सुझावों पर विचार करने, महाविद्यालय और स्थानीय समुदाय, उद्योगों, सामाजिक संस्थाओं तथा पूर्व विद्यार्थियों के बीच सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया गया। समिति के अध्यक्ष ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में सहयोग, नवाचार, बहुविषयक शिक्षा, कौशल आधारित शिक्षण तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने तथा महाविद्यालय को नैक में बेहतर ग्रेडिंग प्राप्त हो इसके लिए अभी से कार्य योजना बनाने की बात कही। सेल्फ फाइनेंस कोर्स में पाठ्यक्रम के कार्यभार एवं शिक्षकों की आवश्यकता के अनुसार ही शिक्षक नियुक्त करने की सहमति दी गई है। स्नातकोत्तर एंथ्रोपोलॉजी, एमएसडब्ल्यू, एमएससी कंप्यूटर साइंस, बीए एंथ्रोपोलॉजी, एमए मनोविज्ञान जैसे सेल्फ फाइनेंस कोर्स में बढ़े शुल्क में कमी की गई। महाविद्यालय के मुख्य भवन के प्रवेश द्वार का पुनर्निर्माण करने, महाविद्यालय के कैंटीन का विस्तार करते हुए खाद्य सामग्री की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने, महाविद्यालय की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 10 सीसीटीव्ही कैमरा लगाने की अनुमति प्रदान की गई। बैठक में जिला कलेक्टर के प्रतिनिधि तहसीलदार विकास जिंदल, सांसद प्रतिनिधि रिंकू वर्मा, सदस्य दीपक यादव, संतोष दास, दीपांकर गुप्ता, मनोज सोनी, प्रभात विश्वास, रामप्रवेश पांडे, सरस्वती यादव, इंदु नेताम के साथ-साथ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल सिन्हा, डॉ. राजकमल मिश्रा, डॉ. एस.एन. पांडे रजिस्टार जेपी लाश्कर उपस्थित रहे।

छात्रावास का 15 सालों से मरम्मत कार्य नहीं

महाविद्यालय के छात्रावास का निर्माण हाउसिंग बोर्ड द्वारा किया गया है और विगत 15 सालों से उसका कोई रिपेयरिंग कार्य नहीं हुआ है, इसलिए छात्रावास के खिड़कियों की मरम्मत, वॉशरूम और पोताई कार्यों के लिए स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही महाविद्यालय के विभिन्न विभाग और प्रकोष्ठ के फर्नीचर सामग्री, कंप्यूटर तथा ग्रंथालय के आधुनिकीकरण के लिए अलमारी कुर्सियों के साथ छात्रावास के ऊपर बने हुए चार कमरों के लिए 150 ड्यूल डेस्क क्रय की अनुमति प्रदान की गई।

मीटिंग हॉल को दिया जायेगा आधुनिक रूप

महाविद्यालय के मीटिंग हॉल को आधुनिक रूप देते हुए उसमें चार एसी एवं साउंड सिस्टम लगाने, महाविद्यालय के पुराने ऑडिटोरियम, इंडोर बैडमिंटन हॉल का रिनोवेशन करते हुए उसे उपयोग के लायक बनाने की अनुमति दी गई। समिति ने यह भी पारित किया कि मुख्य गेट से लेकर विद्यावृत्त, रुसा भवन तथा साक्षरता ब्लॉक तक पक्का मार्ग नगर निगम, पार्षद मद से कराया जाएगा। महाविद्यालय में बोर मशीन की खराबी के कारण पेयजल की उपलब्धता बाधित होती है, इसलिए, नगर निगम से दो नल जल कनेक्शन लेने की सहमति बनी।

विधि विषय में सीट बढ़ाने भेजेंगे प्रस्ताव

महाविद्यालय के विधि विषय में 120 सीट को बढ़ाने का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जाएगा तथा जनप्रतिनिधियों के माध्यम से शासन को अवगत कराया जाएगा। महाविद्यालय की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पश्चिमी हिस्से में मुख्य भवन एवं ऑडिटोरियम के पार्ट को फेंसिंग के माध्यम से सुरक्षित किया जाएगा।

सरहरी स्कूल में गूंजा 'नशे को ना कहें' का नारा

'नवजीवन' अभियान के तहत सैकड़ों छात्रों ने ली नशामुक्ति की शपथ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी में जिले को नशामुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे 'नवजीवन: नशे के विरुद्ध जन जागरूकता महा अभियान' के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम थाना प्रतापपुर के तत्वाधान में हुआ, जिसमें छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्कूल स्टाफ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में राज्यपाल से पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं और कर्मचारियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। इसलिए युवा पीढ़ी को इससे कोसों दूर रहना चाहिए। सहायक उपनिरीक्षक राजेश यादव ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप सभी सिर्फ अपने लिए नहीं, अपने घर, मोहल्ले और पूरे सूरजपुर के लिए नशे के खिलाफ आवाज बनें।

पोस्टर-बैनर से दिया कड़ा संदेश-जागरूकता को प्रभावी बनाने के लिए स्कूल परिसर में विशेष पोस्टर और बैनर लगाए गए। अभियान के मुख्य नारे, 'नशे को ना कहें, जिंदगी को हां कहें' के साथ सामूहिक अपील की गई कि 'आइए सूरजपुर को नशा मुक्त बनाने की मुहिम में जुड़ें।' इससे स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन, सुखी परिवार, सशक्त समाज का निर्माण होगा। पोस्टरों को देखकर बच्चों ने भी नशे के खिलाफ संकल्प लिया।

पुलिस-स्कूल के साझा पहल को सराहना शपथ कार्यक्रम में थाना प्रतापपुर से एएसआई राजेश यादव, प्रधान आरक्षक योगेन्द्र भगत, सरहरी स्कूल के प्राचार्य दिलीप तिवारी सहित सभी शिक्षक, स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे। थाना प्रतापपुर और स्कूल प्रबंधन के इस संयुक्त प्रयास को लोगों ने खूब सराहा। 'नवजीवन' अभियान का मुख्य उद्देश्य सूरजपुर की युवा पीढ़ी को सही दिशा देना और एक स्वस्थ व सशक्त समाज का निर्माण करना है।

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर
जिला कोरिया (छ0ग0)
क्रमांक 6/ वाचक / 2026
बैकुण्ठपुर दिनांक 3/7/2026
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी / नगरवासी ग्राम कंचनपुर को आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका फ़लेन्द्र रजवाड़े पिता/पति कृत रजवाड़े जाति. रजवाड़े निवासी कंचनपुर तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया के द्वारा यमुना देवी निवासी कंचनपुर का जन्म / दिनांक 02/08/2009 को होने के कारण जन्म/प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 5/7/2026 को 11ः00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियो पर कोई सुनवाई नही होगी। आज दिनांक 03/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ0ग0)

राष्ट्रीय सीनियर मिनी गोल्फ प्रतियोगिता में सरगुजा के खिलाड़ियों ने कई पदकों पर किया कब्जा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय सीनियर मिनी गोल्फ प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए सरगुजा जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कई पदक अपने नाम किए। मिनी गोल्फ खेल को नई पहचान मिली है। प्रतियोगिता में प्रीतम जायसवाल ने डबल इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया, वहीं शिवानी सोनी ने सिंगल इवेंट में कांस्य पदक जीता। बृजदेव सिंह ने टीम इवेंट में रजत पदक, जबकि एंजल प्रीत टप्पो एवं फरहान खान ने टीम इवेंट में कांस्य पदक हासिल कर छत्तीसगढ़ एवं सरगुजा जिले का गौरव बढ़ाया। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों के निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा सरगुजा में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। यदि खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण, संसाधन एवं अवसर मिलते रहें तो वे राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सफलता आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी तथा मिनी गोल्फ खेल के विकास को नई गति प्रदान करेगी। एसोसिएशन ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों एवं छत्तीसगढ़ टीम को इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

डी.के. सोनी प्राइड ऑफ साउथर्न इंडिया अवार्ड 2026 से हुए सम्मानित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सामाजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता एवं आरटीआई एक्टिविस्ट डॉ. डी.के. सोनी को जनहित, सामाजिक न्याय तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ उल्लेखनीय योगदान के लिए प्राइड ऑफ साउथर्न इंडिया अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान बीते 27 जून को हैदराबाद स्थित होटल द पार्क में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया। समारोह में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री एवं राज्यसभा सांसद जयाप्रदा ने डॉ. डी.के. सोनी को सम्मान पत्र एवं अवार्ड प्रदान किया। यह सम्मान उन्हें आरटीआई, जनहित याचिकाओं, सुशासन और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन मनीष भंसाली, फाउंडर इनसाइट सक्सेस एंड ट्रेड मीडिया द्वारा किया गया था। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए जाने-माने डॉक्टरों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं अन्य विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनके समक्ष उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. सोनी लंबे समय से सामाजिक न्याय, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के खिलाफ सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। अपनी संस्था सरगुजा सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस के माध्यम से वे आम नागरिकों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने आरटीआई और जनहित याचिकाओं के माध्यम से कई महत्वपूर्ण मामलों को न्यायालयों तक पहुंचाया और कई मामलों में सफल कानूनी लड़ाई लड़ी है। सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं को उजागर करने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर उन्होंने कई मामलों में जांच और कार्रवाई सुनिश्चित कराते हुए दोषी अधिकारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई कराने में सफलता प्राप्त की है। अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा उनके शुभचिंतकों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया है। डॉ. सोनी ने सम्मान प्राप्त करने के बाद कहा कि यह पुरस्कार उन्हें जनहित, सामाजिक न्याय और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए और अधिक समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। भविष्य में भी वे समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर